नेशनल प्रेस टाइम्स

नई दिल्ली, शुक्रवार
14 मार्च 2025

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 11, अंक : 14 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

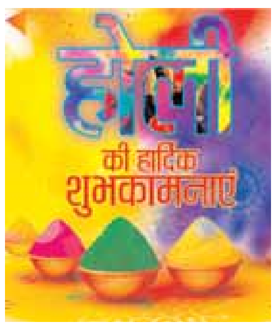

सफल अभ्यर्थियों को योगी ने दी बधाई, बोले-

प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी भर्ती निष्पक्ष संपन्न

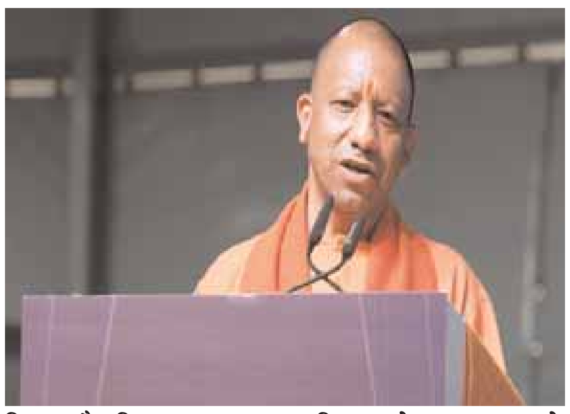

लखनऊ। पुलिस भर्ती को लेकर बड़ी खबर है। भर्ती बोर्ड होली पर युवाओं को तोहफा दिया है। भर्ती बोर्ड ने सिपाही भर्ती का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। सफल अभ्यर्थियों को सीएम योगी ने बधाई दी।

उत्तर प्रदेश में सिपाही भर्ती परीक्षा में सफल युवाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर चयनित सभी 60,244 मेधावी और ऊजार्वान युवाओं को सफलता की हार्दिक बधाई। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस चयन प्रक्रिया के माध्यम से 12048 बेटियां प्रदेश पुलिस का हिस्सा बनने जा रही हैं।

सीएम ने कहा कि शुचितापूर्ण रीति-नीति और निष्पक्ष तथा पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से आरक्षण प्रावधानों का पूरा अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सम्पन्न इस चयन परीक्षा में कुल सामान्य वर्ग के 12937 अभ्यर्थी, अन्य पिछड़ा वर्ग के 32052 अभ्यर्थी, अनुसूचित जाति के 14026 अभ्यर्थी व अनुसूचित जनजाति के 1229 अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

यह सफलता आपकी मेधा, प्रतिभा और कौशल का परिणाम है। आपके गुरुजनों और अभिभावकों का आशीर्वाद है। आप सभी को उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बनने की अनंत शुभकामनाएं। प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा के सफल आयोजन में संलग्न रहे उप्र पुलिस भर्ती एव प्रोन्नति बोर्ड के सभी अधिकारियों एव कर्मचारियों को साधुवाद।

पेपर लीक से 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में, यह व्यवस्थागत विफलता : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ह्ययह गंभीर समस्या एक व्यवस्थागत विफलता है। इसका खात्मा सभी राजनीतिक दलों और सरकारों द्वारा मतभेद भुलाकर, मिलकर कड़े कदम उठाने से होगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेपर लीक एक ह्यव्यवस्थागत विफलताह्ल है और इसका खात्मा तब ही होगा जब सभी राजनीतिक दल एवं सरकारें मतभेद भुलाकर तथा मिलकर कदम उठाएंगे।

शेष पेज 2 पर

होली पर इसरो का देश को तोहफा

स्पैडेक्स उपग्रह सफलतापूर्वक अनडॉक चंद्रयान-4 के लिए रास्ता साफ हुआ

नई दिल्ली । इसरो ने 30 दिसंबर 2024 की रात 10 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र यानी शार से स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) लॉन्च किया था। इसके बाद 16 जनवरी को इसरो ने दो उपग्रहों की सफलतापूर्वक डॉकिंग की थी।

होली से पहले इसरो ने देश को बड़ा तोहफा दिया है। इसरो ने स्पैडेक्स उपग्रह की सफलतापूर्वक अनडॉकिंग कर ली है। इसके साथ ही चंद्रयान-4 के लिए रास्ता साफ हो गया है। दरअसल, अंतरिक्ष को उपग्रहों को एक साथ जोड़ने की प्रक्रिया को डॉकिंग और अलग करने की प्रक्रिया को अनडॉकिंग कहते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को कहा कि उसने स्पेडेक्स उपग्रहों को डी-डॉक करने (अलग करने) का काम पूरा कर लिया है। इससे चंद्रमा की खोज, मानव अंतरिक्ष उड़ान और अपना स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जैसे भविष्य के मिशनों के

लिए रास्ता साफ हो गया है।

शेष पेज 2 पर

स्टालिन सरकार ने बजट में ? का सिंबल हटा किया तमिलों का अपमान?

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी रुपये के चिह्न को बदलने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा उदय कुमार धर्मलिंगम एक भारतीय शिक्षाविद और डिजाइनर हैं। डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं, जिन्होंने भारतीय रुपये का चिह्न डिजाइन किया था।

तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर राज्य सरकार के 2025-26 के बजट लोगो में रुपये के प्रतीक के बजाय तमिल अक्षर का उपयोग करने के फैसले पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए अन्नामलाई ने डीएमके पर एक तमिल द्वारा डिजाइन किए गए राष्ट्रीय प्रतीक की अवहेलना करने का आरोप लगाया। अन्नामलाई ने लिखा डीएमके सरकार का 2025-26 का राज्य बजट एक तमिल द्वारा डिजाइन किए गए रुपये के प्रतीक को बदल देता है, जिसे पूरे भारत ने अपनाया और हमारी मुद्रा में शामिल किया। प्रतीक को डिजाइन करने वाले थिरु उदय कुमार डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं।

शेष पेज 2 पर

भाजपा की जीत...सैनी का वर्चस्व व मंत्रियों की बढ़ी साख

बड़ौली की कुर्सी पर खतरा टला

चंडीगढ़ । हरियाणा निकाय चुनाव में भाजपा की जीत से सीएम सैनी का वर्चस्व और मंत्रियों की साख बढ़ गई है। बड़ौली की कुर्सी पर खतरा टल गया है। पार्टी के माइक्रो मैनेजमेंट और आक्रामक प्रचार शैली से पार्टी को निकाय चुनाव में जीत मिली है।

विधानसभा चुनाव के पांच महीने के बाद हुए निकाय चुनाव में एकतरफा जीत से भाजपा की हरियाणा में जड़ें और मजबूत हो गई हैं। भाजपा माइक्रो मैनेजमेंट, आक्रामक प्रचार शैली, प्रदेश व केंद्र में अपनी सरकार होने को भुनाकर और बागियों से किनारा करके निकाय चुनाव में बाजी मार गई।

इस जीत ने जहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का वर्चस्व और मंत्रियों की साख बढ़ाई है। साथ ही, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली की कुर्सी पर खतरा कम किया है। भाजपा ने विधानसभा की तर्ज पर पूरा निकाय चुनाव लड़ा।

हर मंत्री को जिम्मेदारी सौंपी। विधानसभा चुनाव हारे उम्मीदवारों की भी ड्यूटियां लगाई। इसका फायदा पार्टी को मिला। सबसे अहम भूमिका सीएम नायब सिंह सैनी की रही, जिन्होंने चुनाव की कमान खुद संभाल रखी थी।

गुटबाजी न हो, इसके लिए मतभेद वाले नेताओं को एक निकाय की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं, विधानसभा चुनाव में हारे उम्मीदवारों का अनुभव बेकार न जाए और उनका मनोबल ऊंचा बना रहे, इसके लिए उन्हें भी निकाय में प्रबंधन और चुनाव समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई।

उधर, संगठन के स्तर पर भी लगातार बैठकें और समीक्षा होती रही, जिससे सभी कार्यकर्ता सक्रिय रहे। पांच स्तर पर चुनाव प्रबंधन किया गया। संगठन की टीम ने हर घर तक पहुंचने का प्रयास किया। वार्ड स्तर पर भी छोटी टीमें बनाई गईं जो छोटे-छोटे समूहों में लोगों से बात करती रही।

मेयर चुनाव के लिए अलग प्रबंधन था। जिला स्तर के शीर्ष नेताओं को इसका जिम्मा दिया गया। विधानसभा चुनाव में बगावत करने वालों से दूरी बनाए रखी ताकि दूसरे नेता नाराज न हों। इस बार किसी ने बगावत की हिम्मत नहीं की। सीएम सैनी ने निकाय चुनाव में भाजपा की तरफ से प्रचार की कमान संभाल रखी थी। उन्होंने 21 फरवरी से प्रचार शुरू किया था और 28 फरवरी तक 38 में से 30 निकायों में जाकर रोड शो, रैलियां और जनसभा को संबोधित किया। हर निकाय में खुद को उस क्षेत्र का कभी बेटा, कभी विधायक तो कभी भाई के तौर पर पेश किया और विकास की गारंटी ली। इससे भी जनता के बीच भाजपा के पक्ष में माहौल बना। **शेष पेज 2 पर**

तीस मार खां हैं सीएम योगी...' अखिलेश यादव बोले- बीजेपी की स्ट्रेटजी किसी को वोट ही ना डालने दो

लखनऊ । अकिलेश यादव ने सीएम योगी पर तंज कसते हुए कहा कि हमारे सीएम 'तीस मार खां हैं'। अब चौरसिया समाज ने संकल्प लिया है कि पान पर चर्चा करके भाजपा का सफाया करेगा।

यूपी की राजधानी लखनऊ में गुरुवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शिव प्रसाद चौरसिया को याद किया। उन्होंने लखनऊ स्थित रिवर फ्रंट पर उनका स्मारक बनाकर उन्हें सम्मान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि चौरसिया समाज ने संकल्प लिया है कि हम सब लोग मिलकर पान पर चर्चा करेंगे।

दरअसल सपा मुखिया ने प्रेस वार्ता आयोजित की थी। इस मौके पर उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को होली पर्व की बधाई दी। इसके बाद सूबे की भाजपा सरकार को निशाने पर लिया। कहा कि हमारे मुख्यमंत्री तीस मार खां हैं। कहा कि उन्हें 30 से बड़ा प्रेम है। तंज कसते हुए कहा कि मरे कितने लोग 30। कारोबार कितने का हुआ 30 करोड़। पूरे प्रदेश को कितना होगा 30*10 हजार करोड़।

बीजेपी ने नई स्ट्रेटजी बनाई किसी को वोट ही ना डालने दो -अखिलेश यादव ने कहा कि अब चौरसिया समाज पान पर चर्चा करके प्रदेश से भाजपा का सफाया करेगी।

शेष पेज 2 पर

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी फिर टली

आठ दिन का मिशन नौ महीने में कैसे बदला, NASA को अब क्यों आई दिक्कत?

नई दिल्ली। सुनीता विलियम्स को जिस मिशन पर भेजा गया था, उसमें कहां अड़चन आई? उनकी वापसी अब तक पृथ्वी पर क्यों नहीं हो पाई है? कितनी बार उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने की तैयारी की गई? और हर बार किन कारणों से उन्हें लाने की कोशिशों को रोका गया? आइये जानते हैं...

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से वापसी एक बार फिर टल गई है। हालांकि, इस बार वजह अंतरिक्ष यान में आई कोई खराबी नहीं है, बल्कि लॉन्च व्हीकल में आए तकनीकी समस्या बना है। इसके चलते आईएसएस पर भेजा जाने वाला स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्चिंग से सिर्फ एक घंटे पहले टाल दिया गया। अब इस मिशन को 14 मार्च को एक बार फिर लॉन्च करने की कोशिश की जाएगी।

इसके साथ ही सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष में रहने वाला जो मिशन महज 8 दिन में खत्म हो जाना था, उसे अब नौ महीने से ज्यादा हो चुके हैं। हालांकि, सुनीता विलियम्स की वापसी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर सुनीता विलियम्स को जिस मिशन पर भेजा गया था, उसमें कहां अड़चन आई? **शेष पेज 2 पर**

बलूचिस्तान ▪ बलूचिस्तान की कहानी:

जिन्ना और अंग्रेजों के धोखे से नहीं बन सका अलग देश, वर्षों से जारी संघर्ष की क्या है वजह?

नई दिल्ली। बलूचिस्तान दुनिया के नक्शे पर कहां है? इसका इतिहास क्या है? आजादी से पहले भारत का हिस्सा रहे इस प्रांत के पाकिस्तान में जाने की कहानी क्या है? जिन्ना और ब्रिटिश सरकार के किस धोखे से बलूचिस्तान को पाकिस्तान में शामिल होना पड़ा? आइये जानते हैं...

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित बोलान के पास मंगलवार को एक एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर लिया गया था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ट्रेन में सवार करीब 450 लोगों को बंधक बना लिया था। 24 घंटे से ज्यादा तक पाकिस्तानी सेना और बीएलए के लड़ाकों के बीच चले संघर्ष के बाद आखिरकार इस ट्रेन को आजाद करा लिया गया। पाकिस्तानी सेना का कहना है कि उसने ट्रेन को अगवा करने वाले बीएलए के सभी लड़ाकों को मार गिराया है। वहीं, बीएलए ने भी इस घटना में कई सैन्य अधिकारियों को मारने की बात कही है।

बलूचिस्तान दुनिया के नक्शे पर कहां है? इसका इतिहास क्या है? आजादी से पहले भारत का हिस्सा रहे इस प्रांत के पाकिस्तान में जाने की कहानी क्या है? जिन्ना और ब्रिटिश सरकार के किस धोखे से बलूचिस्तान को पाकिस्तान में शामिल होना पड़ा? आइये जानते हैं...

सबसे पहले जानते हैं कि आखिर दुनिया के नक्शे पर कैसी है बलूचिस्तान की स्थिति?

पाकिस्तान के नक्शे पर दक्षिण-पश्चिम में स्थित बलूचिस्तान इस देश का सबसे बड़ा प्रांत है। पाकिस्तान के 8.81 लाख वर्ग किलोमीटर इलाके में करीब 40 फीसदी हिस्सा यानी 3.47 लाख वर्ग किमी अकेले बलूचिस्तान का है। आबादी के लिहाज से पाकिस्तान की 24.75 करोड़ की आबादी में से सिर्फ 1.49 करोड़ लोग बलूचिस्तान में बसे हैं। यानी पूरे पाकिस्तान की महज छह फीसदी आबादी यहां रहती है।

इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों खासकर यहां तेल-गैस की काफी मौजूदगी है। इसके अलावा यह क्षेत्र सोना और तांबा का भी भंडार माना जाता है। इसके बावजूद यहां रहने वाले कबायली समुदाय की हालत बेहद खराब है।

पाकिस्तान में जारी इसी भेदभाव के चलते बलूचिस्तान में अलग-अलग समय पर आजादी की मांग उठती रही है। इसके लिए बलूचिस्तान में कई संगठनों का भी उदय हुआ। इन्हीं में से एक संगठन है- बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, जिसने 11 मार्च 2025 को बोलान में एक सुरंग में जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक किया। बलूचिस्तान के साथ धोखाधड़ी की क्या है कहानी?-जब यह साफ हो गया कि ब्रिटिश शासन भारत से जा रहा है, तब बलूचिस्तान में मकरान, लास बेला, खरान और कलात के कबायली प्रमुखों में कलात के प्रमुख सबसे ताकतवर थे। उस वक्त अहमद यार खान कलात के खान यानी प्रमुख थे। भारत की आजादी के वक्त ब्रिटिश साम्राज्य ने यहां की रियासतों को दो विकल्प दिया। पहला- ये रियासतें भारत या पाकिस्तान के साथ मिल जाएं। या फिर दूसरा- स्वतंत्र रहें। उस वक्त अहमद यार खान ने बलूचिस्तान की आजादी की वकालत की।

शेष पेज 2 पर

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्टस ने नवागत शहर काजी को दी बधाई

मेरठ। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्टस (उपज) के जिलाध्यक्ष की अगुवाई में गुरुवार को पत्रकारों का एक प्रतिनिधिमंडल नवनियुक्त शहर काजी से मिला। उनको पगड़ी पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सममानित किया। उसके बाद सामूहिक रूप से अपना समर्थन दिया।

गौरतलब है कि तीन दिन पूर्व शहर काजी प्रोफेसर जैनुल साजिद्दीन का अचानक निधन हो गया था। मुस्लिम धर्मगुरुओं और जिम्मेदारों की सहमति से उनके पुत्र प्रोफेसर डा. सालेकिन को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया गया था। हालांकि, शहर कारी शफीकुर्रहमान ने इसका विरोध करके खुद को शहर काजी नियुक्त कर दिया। मामले में राजनीति होते देख बुधवार को फिर से मुस्लिमों की एक बड़ी पंचायत हुई और प्रोफेसर डा. सालेकिन को ही शहर काजी के पद पर बैठा दिया, तभी से लगातार उनको विभिन्न प्रतिनिधिमंडलों का समर्थन उनको मिल रहा है। गुरुवार को उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्टस के जिलाध्यक्ष अजय चौधरी की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल गुदड़ी बाजार स्थित शहर काजी के आवास पर पहुंचा। शहर काजी प्रोफेसर डा. सालेकिन का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, फिर अपना समर्थन दिया। इस दौरान कोषाध्यक्ष विश्वास राणा, जिला उपाध्यक्ष लियाकत मंसूरी, संगठन महामंत्री राजू शर्मा, जिला प्रवक्ता अरूण सागर, महानगर अध्यक्ष पवन शर्मा, सचिव धर्मेंद्र कुमार, विकास गुप्ता, मीडिया प्रभारी अखिल गौतम, प्रचार मंत्री शाहिद खान, मदन पाल गौतम, लोकेश आदि मौजूद रहें।

प्रदूषण कम करने को लेकर एक्शन में दिल्ली सरकार, सीएम ने की बैठक, अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को एक बैठक हुई। सीएम रेखा ने बताया कि सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कमर कसनी शुरू कर दी है। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को बैठक की गई। बैठक में धूल प्रदूषण कम करने के लिए मानसून को छोड़कर अब से पूरे साल स्प्रिंकलर्स और स्मॉग गन्स तैनात रहेंगी। वहीं, सीमावर्ती क्षेत्र में वाहनों की जांच सख्त होगी। दूसरी तरफ सड़कों के रखरखाव से जुड़ी सभी एजेंसियों को इनकी मरम्मत और साफ-सफाई की साप्ताहिक रिपोर्ट देनी होगी। इसके साथ सभी संबंधित विभागों की साप्ताहिक कार्ययोजना बनेगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। विकसित दिल्ली संकल्प पत्र के तहत राजधानी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में आज सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें दिल्ली के वायु प्रदूषण को बढ़ाने वाले सभी कारणों पर विस्तृत चर्चा की गई है।

सीएम ने बताया कि दिल्ली में मानसून को छोड़कर पूरे वर्ष सड़कों पर स्प्रिंकलर्स और स्मॉग गन्स तैनात रहेंगे जिससे धूल और प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। इससे वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और नागरिकों को स्वच्छ हवा मिलेगी।

पेज एक का शेष...

पेपर लीक से 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में, यह व्यवस्थागत विफलता : राहुल

उन्होंने यह दावा भी किया कि पेपर लीक होने से छह राज्यों में 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में है।

राहुल गांधी ने एक खबर का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर पोस्ट किया, ह्यह्यछह राज्यों में 85 लाख बच्चों का भविष्य खतरे में – पेपर लीक होना हमारे युवाओं के लिए सबसे खतरनाक चक्रव्यूह बन गया है।

पेपर लीक मेहनती छात्रों और उनके परिवारों को अनिश्चितता और तनाव में धकेल देता है, उनके परिश्रम का फल उनसे छीन लेता है। साथ ही यह अगली पीढ़ी को गलत संदेश देता है कि बेईमानी, मेहनत से बेहतर हो सकती है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि अभी एक साल भी नहीं हुआ, जब ह्यनीटह्न के पेपर लीक ने देश को झकझोर दिया था। उन्होंने कहा कि हमारे विरोध के बाद नरेन्द्र मोदी सरकार ने नए कानून के पीछे छुप कर उसे समाधान बताया, लेकिन इतने सारे हालिया लीक ने उसे भी विफल साबित कर दिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ह्यह्ययह गंभीर समस्या एक व्यवस्थागत विफलता है। इसका खात्मा सभी राजनीतिक दलों और सरकारों द्वारा मतभेद भुलाकर, मिलकर कड़े कदम उठाने से होगा। इन परीक्षाओं की गरिमा बनी रहे, यह हमारे बच्चों का अधिकार है और इसे हर हाल में सुरक्षित रखना होगा।

तीस मार खां हैं सीएम योगी...' अखिलेश यादव बोले- बीजेपी की स्ट्रेटजी किसी को वोट ही ना डालने दो

कहा कि पिछड़ा, दलित, आदिवासी, आधी आबादी और तमाम हमारे अल्पसंख्यक भाई ये मन बना चुके हैं कि पीडीए की ताकत को आगे बढ़ाएंगे। अभी ये मुस्लिम समाज के खिलाफ नफरत फैला रहे हैं। आने वाले समय में ढऊ्न समाज के खिलाफ नफरत फैलाएंगे। बीजेपी ने तो नई स्ट्रेटजी बनाई है कि किसी को वोट ही ना डालने दो।

सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी फिर टली

उनकी वापसी अब तक पृथ्वी पर क्यों नहीं हो पाई है? कितनी बार उन्हें पृथ्वी पर वापस लाने की तैयारी की गई? और हर बार किन कारणों से उन्हें लाने की कोशिशों को रोका गया? आइये जानते हैं...

सुनीता विलियम्स को किस मिशन पर भेजा गया था?

5 जून 2024 को नासा का बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन के तहत नासा ने अपने दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी बुच विल्मोर को आठ दिन की यात्रा पर भेजा। दोनों को स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान के जरिए मिशन पर भेजा गया था। यह अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान की पहली उड़ान थी।

जिस मिशन पर सुनीता और बैरी हैं वो नासा के व्यावसायिक क्रू कार्यक्रम का हिस्सा है। दरअसल, नासा का लक्ष्य है कि वह अमेरिका के निजी उद्योग के साथ साझेदारी में अमेरिका से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक सुरक्षित, विश्वसनीय और कम लागत के मानव मिशन भेजे। इसी उद्देश्य से यह टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन का लक्ष्य अंतरिक्ष स्टेशन पर छह महीने के रोटेशनल मिशन (बारी-बारी से मिशन) को अंजाम देने की स्टारलाइनर की क्षमता को दिखाना था। लंबी अवधि की उड़ानों से पहले तैयारी को परखने और जरूरी परफॉर्मेंस डेटा जुटाने के लिए क्रू उड़ान परीक्षण को बनाया गया था।

किस वजह से आईएसएस पर ही फंस गईं सुनीता और बैरी?

हालांकि, अंतरिक्ष स्टेशन के लिए स्टारलाइनर की उड़ान के दौरान, अंतरिक्ष यान के कुछ थ्रस्टर्स ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। थ्रस्टर्स' आमतौर पर कम फोर्स वाले रॉकेट मोटर्स को कहा जाता है। थ्रस्टर्स के कमजोर प्रदर्शन के अलावा स्टारलाइनर के हीलियम सिस्टम में कई लीक भी देखे गए। इसके बाद नासा और बोइंग ने अंतरिक्ष यान के बारे में व्यापक डेटा विश्लेषण के जरिए जानकारी जुटाई। इस जांच में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया दुर्घटना के बाद स्थापित हुए संगठन शामिल थे। यह दुर्घटना 1 फरवरी, 2003 को हुई थी। यह दुर्घटना तब हुई थी जब कोलंबिया अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वातावरण में वापस आ रहा था। इस दुर्घटना में सभी सात अंतरिक्ष यात्री मारे गए थे जिसमें भारतीय मूल की कल्पना चावला भी शामिल थीं।

सुनीता-बैरी को लौटाने के लिए अब तक क्या किया गया?

1. नासा ने इसके बाद बोइंग के स्टारलाइनर को वापस पृथ्वी पर लौटाने की संभावनाओं को तलाशा। जांच के बाद यह सामने आया कि स्टारलाइनर में यात्रियों को वापस लाना सुरक्षित नहीं होगा। आखिरकार तीन महीने के इंतजार के बाद नासा ने फैसला किया कि स्टारलाइनर को बिना क्रू के ही वापस धरती पर लाया जाएगा। 6 सितंबर 2024 को स्टारलाइनर बिना क्रू के ही धरती पर लौट आया।

2. इस बीच नासा ने सुनीता और बैरी को वापस लाने के लिए नई योजना पर काम शुरू कर दिया था। बताया जाता है कि स्टारलाइनर के आईएसएस में अटके होने की वजह से अगस्त में आईएसएस भेजा जाने वाला स्पेसएक्स का क्रू-9 मिशन सितंबर तक अटक गया था। ऐसे में नासा ने स्पेसएक्स की तरफ से तय किए गए चार अंतरिक्ष यात्रियों में से सिर्फ दो को ही सितंबर के अंत में भेजने का फैसला किया, ताकि इसकी वापसी में सुनीता और बैरी को खाली पड़े स्लॉट में जगह देकर पृथ्वी पर लौटाया जा सके। क्रू-9 को आखिरकार 28 सितंबर को लॉन्च कर दिया गया।

सुनीता विलियम्स को क्रर से पृथ्वी पर वापस लाने का नासा का नया मिशन क्या, कैसे-कब लौटाने की योजना? जानें

3. क्रू-9 मिशन की वापसी 17 दिसंबर को तय की गई थी। यानी सुनीता और बैरी को दो महीने से ज्यादा समय और आईएसएस पर ही बिताना था। लेकिन इस अवधि को भी लगातार बढ़ाया गया। दरअसल, नासा ने फैसला किया कि क्रू-9 को पृथ्वी पर लौटाने से पहले वह स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को एक नए क्रू-10 मिशन के लिए लॉन्च कर देना चाहता है। लेकिन क्रू-10 की लॉन्चिंग की तैयारियां दिसंबर में पूरी नहीं हो पाईं। नासा ने बताया कि ड्रैगन अंतरिक्ष यान जनवरी की शुरूआत में फ्लोरिडा पहुंचेगा। इसके बाद क्रू-10 की लॉन्चिंग को फरवरी तक के लिए टाल दिया गया।

4. फरवरी में वापसी तय होने के बाद जहां क्रू-9 के दोनों सदस्यों- अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव को फ्लाइट से जुड़े कई परीक्षण करने थे, तो वहीं सुनीता विलियम्स इस दौरान आईएसएस के एक्सपीडिशन 72 की कमांडर बन गईं। उनके अनुभव के मद्देनजर स्पेस स्टेशन पर रहने वाले हर व्यक्ति के कामकाज और देखरेख की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। पांच महीने के दौरान अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव भी हुए, जिनमें आईएसएस पर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों ने भी वोट डाले।

5. इस बीच नासा ने आईएसएस में मौजूद सुनीता और बैरी को लौटाने की प्रक्रिया को तेज करने की कोशिश की। हालांकि, 12 फरवरी को एक बार फिर टीम की तैयारियों को झटका लगा। दरअसल, एजेंसी को ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की तैयारियों की प्रक्रिया के प्रमाणन में समय लग रहा था। ऐसे में इसकी लॉन्चिंग को एक महीने के लिए टाल दिया गया और क्रू-10 को 12 मार्च को आईएसएस के लिए लॉन्च करने की तैयारी हुई।

6. 12 मार्च को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने से करीब एक घंटे पहले क्रू-10 मिशन को एक बार फिर टाल दिया गया। बताया गया कि स्पेसएक्स के फैल्कन 9 रॉकेट में ग्राउंड सपोर्ट क्लैंप आर्म के साथ हाइड्रॉलिक सिस्टम समस्या के कारण लॉन्चिंग को रद्द कर दिया गया है। इसके बाद लॉन्च की अगली तारीख 13 मार्च को शाम 7.26 बजे(भारतीय समय के अनुसार 14 मार्च सुबह 4:56 बजे) तय की गई है।

7. 13 मार्च को क्रू-10 का लॉन्च अगर सफल रहता है तो अंतरिक्ष यात्री निक हेग, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के साथ रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव का क्रू-9 मिशन हैंडओवर की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सोमवार 17 मार्च को सुबह 9:05 बजे से पहले अंतरिक्ष स्टेशन से प्रस्थान कर सकता है। बशर्ते कि फ्लोरिडा के तट से दूर स्पलैशडाउन स्थानों पर मौसम खराब हो।

होली पर पहले इसरो का देश को तोहफा

स्पेडेक्स मिशन पिछले साल 30 दिसंबर को शुरू किया गया था, जब इसरो ने अंतरिक्ष में डॉकिंग प्रयोग का प्रदर्शन करने के लिए दो उपग्रहों - एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 को कक्षा में स्थापित किया था। स्पेस डॉकिंग अंतरिक्ष में दो उपग्रहों को जोड़ने की प्रक्रिया को कहते हैं। कई प्रयासों के बाद अंतरिक्ष एजेंसी ने 16 जनवरी को दोनों उपग्रहों को सफलतापूर्वक डॉक किया था। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने इस कामयाबी के लिए इसरों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, इसरो टीम को बधाई। यह हर भारतीय के लिए खुशी की बात है। स्पैडेक्स उपग्रहों ने अविश्वसनीय डी-डॉकिंग को पूरा कर लिया गया है। इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, चंद्रयान 4 और गगनयान समेत भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों में काफी मदद मिलेगी। इन मिशनों को आगे बढ़ाने का मार्ग भी इससे प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निरंतर संरक्षण इस उत्साह को बढ़ाता है। इससे पहले 16 जनवरी को भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और लंबी छलांग लगाकर विश्व के चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया था। इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पेडेक्स) के तहत उपग्रहों की डॉकिंग सफलतापूर्वक की थी। इसरो ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था, भारत ने अंतरिक्ष इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। सुप्रभात भारत, इसरो के स्पेडेक्स मिशन ने डॉकिंग में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस क्षण का गवाह बनकर गर्व महसूस हो रहा है। इसके साथ ही अमेरिका, रूस, चीन के बाद भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया था। यह प्रौद्योगिकी भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं जैसे चंद्रमा पर भारतीय मिशन, चंद्रमा से नमूने वापस लाना, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का निर्माण और संचालन आदि के लिए जरूरी है। मिशन के फायदे-भारत की योजना 2035 में अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की है। मिशन की सफलता इसके लिए अहम है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन में पांच मॉड्यूल होंगे जिन्हें अंतरिक्ष में एक साथ लाया जाएगा। इनमें पहला मॉड्यूल 2028 में लॉन्च किया जाना है। यह मिशन चंद्रयान-4 जैसे मानव अंतरिक्ष उड़ानों के लिए भी अहम है...यह प्रयोग उपग्रह की मरम्मत, ईंधन भरने, मलबे को हटाने और अन्य के लिए आधार तैयार करेगा। यह तकनीक उन मिशनों के लिए अहम है, जिनमें भारी अंतरिक्ष यान और उपकरण की जरूरत होती है, जिन्हें एक बार में लॉन्च नहीं किया जा सकता।

भाजपा की जीत...सैनी का वर्चस्व व मंत्रियों की बढ़ी साख

प्रदेश अध्यक्ष को भी मिली संजीवनी -निकाय चुनाव से पहले जब प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली पर सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगे तो इससे उनकी कुर्सी पर खतरा मंडराने लगा था। मगर इसी बीच निकाय चुनाव की घोषणा कर दी गई। पार्टी उनकी कुर्सी पर निकाय चुनाव के बाद फैसला लेने वाली थी। मगर इस जीत ने उनका भी कद बढ़ा दिया है। उनके नेतृत्व में ही संगठन ने रणनीति तय की। चुनाव से पहले उनके नेतृत्व ने पार्टी ने करीब 45 लाख सदस्य भी बनाए थे, जिसका लाभ भी चुनाव में मिला है। ऐसे में अब उनकी कुर्सी पर से खतरा टला है। पार्टी का ट्रिपल इंजन का नारा काम कर गया -भाजपा ने चुनाव में ट्रिपल इंजन का नारा दिया था, जो काम कर गया। दरअसल अब लोग समझ चुके हैं कि स्थानीय स्तर पर समस्या का समाधान तभी होगा, जब राज्य और निकाय में एक ही पार्टी की सरकार हो। अलग-अलग दलों की सत्ता होने से लोग पिसते रहेंगे। प्रदेश में सरकार होने का फायदा मिला।

स्टालिन सरकार ने बजट में ? का सिंबल हटा किया तमिलों का अपमान?

स्टालिन आप कितने मूर्ख हो सकते हैं?

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने भी रुपये के चिह्न को बदलने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा उदय कुमार धर्मलिंगम एक भारतीय शिक्षाविद और डिजाइनर हैं। डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं, जिन्होंने भारतीय रुपये का चिह्न डिजाइन किया था। जिसे भारत ने स्वीकार किया था। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तमिलनाडु बजट 2025-26 दस्तावेज से चिह्न हटाकर तमिलों का अपमान कर रहे हैं। इससे हास्यास्पद कुछ और हो सकता है?

मामाल तब विवादों में आया जब एमके स्टालिन सरकार ने राज्य के बजट लोगो में रुपये के प्रतीक को तमिल अक्षर 'रु' से बदल दिया है। यह शायद पहली बार है जब किसी राज्य ने राष्ट्रीय मुद्रा प्रतीक को हटा दिया है। यह घटनाक्रम एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और तीन-भाषा नीति के विरोध के संदर्भ में सामने आया है। तमिलनाडु द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख पहलुओं, विशेष रूप से त्रि-भाषा फामूर्ले को लागू करने से इनकार करने के परिणामस्वरूप केंद्र ने समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के तहत केंद्रीय शिक्षा सहायता में 573 करोड़ रुपये रोक दिए हैं।

कब इसे अपनाया गया था

रुपये का चिन्ह ? आधिकारिक तौर पर 15 जुलाई, 2010 को अपनाया गया था। 5 मार्च, 2009 को सरकार द्वारा घोषित एक डिजाइन प्रतियोगिता के बाद ये हुआ था। 2010 के बजट के दौरान तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी ने एक ऐसा प्रतीक पेश करने की घोषणा की थी जो भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित और समाहित करेगा। इस घोषणा के बाद एक सार्वजनिक प्रतियोगिता शुरू हुई, जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान डिजाइन का चयन किया गया।

जिन्ना और अंग्रेजों के धोखे से नहीं बन सका अलग देश, वर्षों से जारी संघर्ष की क्या है वजह?

बताया जाता है कि अहमद की इस मांग के पीछे उनकी मोहम्मद अली जिन्ना से निजी दोस्ती थी। उन्हें उम्मीद थी कि जिन्ना बलूचिस्तान को पाकिस्तान में शामिल होने की जगह आजादी दिलाने में समर्थन देंगे। 11 अगस्त 1947 को पाकिस्तान ने उनका भरोसा बढ़ाते हुए अहमद यार खान के साथ दोस्ती की एक संधि की और उन्हें पाकिस्तान में जबरन शामिल कराने के लिए जोर नहीं दिया।

ब्रिटिश शासन ने क्यों नकारी आजादी की मांग?-भारत के बंटवारे के बाद जब बलूचिस्तान ने आजाद रहने पर जोर दिया तो इससे ब्रिटिश शासन की चिंता बढ़ गई। दरअसल, बीते कुछ वर्षों में ईरान-अफगानिस्तान के आसपास सोवियत संघ का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। ऐसे में ब्रिटेन को चिंता थी कि अगर बलूचिस्तान को आजाद छोड़ दिया गया तो वह सोवियत शासन के प्रभाव में जा सकता है। इसी वजह से ब्रिटिश अफसर कलात को पाकिस्तान में ही शामिल कराना चाहते थे।

पाकिस्तान ने कैसे दिया धोखा?-कलात के प्रमुख अहमद यार खान के अंतर्गत बलूचिस्तान के क्षेत्रों को संभाल रहे तीन कबायली नेता पाकिस्तान में मिलने के लिए तैयार हो गए। इस स्थिति को भांपते हुए पाकिस्तान ने अक्तूबर 1947 में ही 'दोस्ती की संधि' को तोड़ते हुए पूरे बलूचिस्तान को शामिल कराने की कोशिशें शुरू कर दीं। 17 मार्च 1948 को पाकिस्तान सरकार ने कलात के अंतर्गत आने वाले तीन सामंती क्षेत्रों को अपने साथ शामिल करा लिया। इससे न सिर्फ कलात के खान की ताकत घट गई, बल्कि यह पूरा क्षेत्र चारों तरफ से जमीनी सीमाओं से भी घिर गया, जबकि पहले यह पूरा इलाका अरब सागर से जुड़ा था।

'स्टेट एंड नेशन बिल्डिंग इन पाकिस्तान, बियॉन्ड इस्लाम एंड सिक्योरिटी' किताब के मुताबिक, जब कलात पर पाकिस्तान में शामिल होने का दबाव बढ़ रहा था, उसी दौरान भारत में ऑल इंडिया रेडियो पर एक खबर चली। इसमें दावा किया गया कि कलात भारत के साथ शामिल होना चाहता है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस खबर के प्रसारित होने के ठीक बाद 26 मार्च 1948 को अपनी सेना की एक बड़ी टुकड़ी बलूचिस्तान भेज दी। इसके बाद कलात के खान ने पाकिस्तान के साथ संधि का एलान कर दिया। माना जाता है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के डर से अहमद यार खान को यह फैसला लेने पर मजबूर होना पड़ा।

समझौते की स्याही भी नहीं सूखी और शुरू हो गया संघर्ष-बलूचिस्तान ने मार्च 1948 में पाकिस्तान में शामिल होने का फैसला किया और जुलाई 1948 में अहमद यार खान के भाई प्रिंस अब्दुल करीम ने बगावत का झंडा बुलंद कर दिया। यहीं से बलूचिस्तान में बागी संगठनों की नींव पड़ी। करीम ने बलूचिस्तान के पाकिस्तान के साथ जाने के फैसले का पुरजोर विरोध किया और क्षेत्र की स्वतंत्रता के लिए युद्ध छेड़े। 1948, 1958-59, 1962-63 और 1973-1977 के बीच पांच बार बलूच क्रांतिकारियों ने बलूचिस्तान की स्वतंत्रता की मांग के साथ पाकिस्तानी शासन के साथ जंग छेड़ी। बलूच नागरिकों का यह संघर्ष आज तक जारी है।

अलग बलूचिस्तान के लिए संघर्ष करने वाले दावा करते रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना मासूमों को निशाना बनाती है। बलूच कार्यकर्ताओं को सरकारी एजेंसियों और पुलिस द्वारा अपहरण, टॉर्चर, बिना सबूतों के गिरफ्तारी और मौत के घाट उतारने की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं।

2011 में मानवाधिकार संगठन एम्नेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पाकिस्तानी सेना बलूच नागरिकों के खिलाफ 'मारो और फेंको' की नीति अपनाती है। सुरक्षाबल कई बार बलूच लोगों को जानकारी के लिए टॉर्चर करते हैं। इसके बाद वे बलूचों को गोली मार देते हैं और उनके शव को फेंक देते हैं। हालांकि, बलूचिस्तान में जुल्म के आंकड़े ठीक ढंग से मौजूद नहीं हैं। एक एनजीओ- वॉयस ऑफ बलूच मिसिंग पर्सन्स के मुताबिक, 2001 से 2017 के बीच ही 5000 से ज्यादा बलूच लोग लापता हुए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान को लेकर इस गुस्से की वजह क्या?

कलात के आखिरी खान कहे जाने वाले अहमद यार खान ने जब बलूचिस्तान की आजादी की मांग की थी, तब उन्होंने साफ किया था कि बलूच नागरिकों का मुस्लिम होने के अलावा सीधे तौर पर पाकिस्तान से कोई जुड़ाव नहीं है। यह बात काफी हद तक सच भी है। बलूचिस्तान का इतिहास, भाषा और संस्कृति पाकिस्तान में बसी बाकी पंजाबी और सिंधि आबादी से अलग है। सरकार से लेकर नौकरशाही तक में बलूच लोगों का प्रतिनिधित्व काफी कम है। कुछ ऐसी ही स्थिति पूर्वी पाकिस्तान की भी थीं। जो कि अब बांग्लादेश बन चुका है। भाषा और संस्कृति में अलग होने की वजह से पाकिस्तान के पहले ही दो टुकड़े हो चुके हैं। वही खतरा लगातार बलूचिस्तान पर मंडराता दिख रहा है।

रंग-गुलाल के साथ इस स्वादिष्ट केसरिया बादाम ठंडाई से करें होली का स्वागत

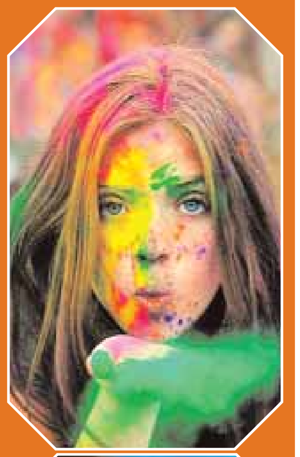

रंगों का त्योहार होली इस त्योहार का अपना एक अलग ही मजा होता है। इस दिन लोग अपने दोस्तों और परिवारवालों के साथ जमकर होली खेलते हैं साथ ही लजीज पकवान जैसे दही भल्ले, बालू शाही, गुजिया समेत कई तरह के स्वादिष्ट मिठाइयों का मजा लेते हैं। यूं तो होली पर ढेर सारे पकवान बनाएं जाते हैं, लेकिन इन पकवानों के साथ अगर ठंडाई मिल जाए तो फिर क्या ही कहना। ऐसे में होली का मजा भी दुगुना हो जाता है। अगर आप होली खेलते समय बीच-बीच में इसका सेवन करेंगे तो मजा भी दोगुना हो जाएगा। चलिए जानते हैं केसरिया बादाम ठंडाई बनाने की रेसिपी।

केसरिया बादाम ठंडाई बनाने की सामग्री

- बादाम - एक चौथाई कप (छिला हुआ)
- केसर   बारिक कटी हुई
- चीनी - डेढ़ कप
- दूध फूल क्रीम - पांच कप
- खरबूजे के बीज (थोड़े से)
- सौंफ - दो चम्मच
- इलायची 4 से 5
- खस-खस - दो चम्मच
- काली मिर्च - एक चम्मच

केसरिया बादाम ठंडाई बनाने की रेसिपी

- केसरिया बादाम ठंडाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े बर्तन में पानी और चीनी को डालकर अच्छे से उबाल लें।
- उबलने के बाद अब इसे ठंडा कर लें।
- इसके बाद खरबूजे के बीज, सौंफ, काली मिर्च, इलायची, बादाम और खस खस को भिगो कर एक घंटे के लिए छोड़ दें।
- अब पानी से इसे निकाल लें और बादाम का छिलका उतार दें।
- उसके बाद इन सभी चीजो को चीनी के घोल के साथ पीस लें।
- अब इस मिश्रण को किसी कपडे में डाल कर छान लें।

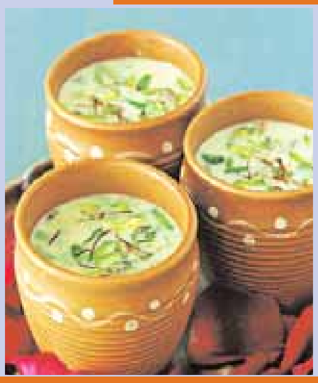

- उसके बाद इस मिश्रण में दूध में मिला दें।
- फिर इसमें इलायची पाउडर डालकर मिक्स कर दें।
- अब आप इसे कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें।
- फिर कुछ टाइम बाद फ्रिज में से ठंडाई निकाल कर इसके ऊपर केसर डाल दें।
- आपकी टेस्टी केसरिया बादाम ठंडाई बनकर तैयार है।
- इसे आप ठंडा-ठंडा सर्व कर होली का पूरा मजा लें।

होली पर ऐसे बनी रहेगी घर की खूबसूरती

रंगों के त्योहार होली पर इसे खराब होने से ऐसे बचाएं

घर के इंटीरियर को मेंटेन करना काफी महंगा काम है। ऐसे में रंगों के त्यौहार में होली के समय इसकी खूबसूरती बरकरार रखना कई बार मुश्किल हो जाता हैं। आइए जानें होली में रंगों से घर की चमक को बनाएं रखने के लिए मानसी पुजारा से कुछ खास टिप्स।

नल और शॉवर

होली खेलने के बाद यदि सबसे पहले नहाने जाते हैं तो ऐसे में शरीर पर लगे रंग से नल और शावर खराब होने की पूरी संभावना रहती है कि नहाते वक्त इन चीजों को आप जरूर हाथ लगाएंगे। रंग वाले हाथ लगने से इनकी चमक फीकी पड़ सकती है। होली खेलने से थोड़ा पहले ही बाथरूम के सभी नल और शावर पर पेट्रोलियम जेली लगा सकते हैं। इस तरह इन पर रंग नहीं चढ़ेगा।

फ्लोर

घर में मार्बल या लाइट कलर की फ्लोर है तो होली घर के अंदर नहीं खेलना चाहिए। कुछ रंग ऐसे भी होते हैं जो जमीन पर स्थाई धब्बे छोड़ देते हैं। ऐसे में फ्लोर देखने में खराब लगती है और इसे साफ करना भी बहुत महंगा पड़ता है।

फर्नीचर

लकड़ी के फर्नीचर से रंग का दाग निकालना मुश्किल है लेकिन संभव है। पर यदि लेदर के फर्नीचर पर रंग के धब्बे लग जाएं तो इन्हें निकालना असंभव ही है। बेहतर होगा कि आप अपने घर के पूरे फर्नीचर को पुरानी बेडशीट्स और चादर से ढांक दें। इस तरह आप फर्नीचर को होली के रंग से खराब होने से बचा सकते हैं।

सिंक

होली खेलने के बाद सीधे सिंक पर हाथ-मुंह धोने नहीं जाना चाहिए वरना रंग से सिंक पूरी तरह से खराब हो जाएगा। अच्छा होगा कि पहले से ही बाहर बालकनी में या गार्डन में एक पोर्टेबल टब भरकर रख लें या होज़ पाइप से पहले रंग साफ कर लें।

हैंडल और नॉब्स

होली खेलने के बाद सबसे पहली चीज़ जो खराब हो सकती है वह हैं दरवाजे के हैंडल। इनपर रंग के दाग लग सकते हैं। ऐसा ना हो इसके लिए होली से एक दिन पहले ही सभी दरवाजों के हैंडल और नॉब्स पर टरपेंटाइन ऑइल या मस्टर्ड ऑइल लगा सकते हैं। ऑइल कोटिंग से इन पर रंग के दाग नहीं लगेंगे। बाद में इन्हें गीले कपड़े से पोंछ सकते हैं।

दीवारें

दीवारों पर हाथों के निशान ना लगें इसके लिए अपने आसपास के हार्डवेयर स्टोर से एंटी-स्टेन वॉर्निश ले आएं और इसका एक कोट दीवारों पर लगा दें। इस तरह आप दीवार को रंग और अन्य चीजों से बचा सकते हैं। दूसरा उपाय यह है कि घर का सारा फर्नीचर दीवार से सटाकर रख दें जिससे दीवार के पास कोई नहीं जा ही ना पाए।

रंगों की मस्ती में भूल न जाएं बच्चों का ख्याल

इस तरह मनाएं मौज-मस्ती और सुरक्षित होली

रंग और मस्ती का त्योहार है होली। अबीर-गुलाल, मौज-मस्ती और डांस का उत्साह इस त्योहार पर देखते ही बनती है। क्या बच्चे, क्या बूढ़े हर किसी पर इसका खुमार देखा जाता है। बच्चे सबसे ज्यादा इस फेस्टिवल का इंतजार करते हैं। होली के दिन वे पिचकारी लेकर घर से निकल जाते हैं और पानी भर-भरकर होली खेलते हैं। इस दौरान जरा सी लापरवाही खतरनाक हो सकती है। इसलिए पैरेंट्स की जिम्मेदारी बनती है कि मौज-मस्ती के चक्कर में बच्चों का ख्याल रखना न भूलें और सुरक्षित होली मनाएं। आइए जानते हैं रंगों के उमंग में बच्चों का कैसे ख्याल रखें..

गुब्बारों से होली को कहें ना

होली के अवसर पर पिचकारी के साथ बच्चे गुब्बारों में रंग और पानी भरकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। ऐसे में किसी हादसे का डर बना रहता है। बच्चों को चोट भी लग सकती है। इसलिए उन्हें सलाह दें कि गुब्बारों से होली न खेलें और आप खुद भी इस बात का ख्याल रखें।

केमिकल वाले रंग न खरीदें

गुलाल-अबीर और पक्के रंगो से होली मनाई जाती है। आजकल मार्केट में केमिकल युक्त रंग आ गए हैं, जो हमारी स्किन और आंखों के लिए नुकसानदायक होते हैं। इसलिए केमिकल युक्त रंगों के बजाए हर्बल रंगों से ही होली खेलें और बच्चों को भी यही सलाह दें। रंग खेलते समय बच्चों को कलफुल और फंकी गॉगल पहनाना चाहिए। उन्हें फुल बाजू कपड़े भी पहनाए ताकि ज्यादातर स्किन ढकी रहे।

ऑर्गेनिक कलर से सावधान

आप केमिकल वाले कलर की बजाय ऑर्गेनिक कलर से भी होली खेल सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि यह मुंह के अंदर न जाए, क्योंकि ऐसा होने पर यह खतरनाक हो सकता है। इससे फूड पॉइजनिंग और इंफेक्शन का खतरा रहता है।

बच्चों को ज्यादा देर गीला न रहने दें

बच्चे जब पानी और रंगों से होली खेलते हैं तो भीगे कपड़े में कई-कई घंटों तक रहते हैं। चूंकि होली के दौरान न ज्यादा गर्मी रहती है और ना ही ज्यादा ठंड ऐसे में हल्की सर्दी लगती है और तेज धूप भी। ऐसे में गीले कपड़े में रहने से बच्चों की सेहत प्रभावित हो सकती है। इसलिए उन्होंने गीले कपड़ों में न रहने दें और सुरक्षित होली मनाएं।

संपादकीय

आपराधिक लापरवाही की जिम्मेदारी तय हो

यह खबर शर्मनाक है कि दुनिया के सबसे प्रदूषित बीस शहरों में तेरह शहर भारत के हैं। ऐसी खबरों से दुनिया में कैसी छवि बनेगी, कहने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन ऐसी खबरें विदेशी निवेश व विदेशी पर्यटकों की सोच को जरूर नकारात्मक बना सकती हैं। उल्लेखनीय है कि स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी आई.क्यू. एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 बताती है कि दिल्ली वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी बनी हुई है। गंभीर चिंता इस बात की है कि भारत दुनिया का पांचवां सबसे ज्यादा प्रदूषित देश बना है। उल्लेखनीय बात यह है कि वर्ष 2023 में भारत तीसरे स्थान पर था। लेकिन इस रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि देश का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर दिल्ली नहीं बल्कि मेघालय का बनीर्हाट लिस्ट में टॉप पर है। हालांकि, कहना मुश्किल है कि बनीर्हाट की यह स्थिति किसी परिस्थिति के कारण कुछ समय के लिये थी या स्थायी रूप से बनी हुई है। निश्चय ही हमारी राजधानी का दुनिया में सबसे ज्यादा प्रदूषित होना और देश के तेरह शहरों का शीर्ष बीस प्रदूषित में शुमार होना परेशान करने वाला है। जब किसी शहर के उच्च प्रदूषित होने की बात करते तो यह नीति-नियंताओं की नाकामी और जनमानस की लापरवाही व उदासीनता को ही दशार्ता है। आई.क्यू. एअर द्वारा जारी वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2024 में भारत में पीएम 2.5 सांद्रता में सात फीसदी की गिरावट देखी। जो वर्ष 2023 में 54.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर थी और फिलहाल 50.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। बहरहाल, वायु प्रदूषण की ये स्थितियां स्वास्थ्य के लिये गंभीर जोखिम की वजह बनी हुई हैं। एक अनुमान के अनुसार वायु प्रदूषण से औसतन व्यक्ति का जीवन 5.2 साल कम हो रहा है, जो स्थिति की गंभीरता का ही परिचायक है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष प्रकाशित लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ अध्ययन के अनुसार प्रदूषण की वजह से वर्ष 2009 से 2019 के बीच हर साल पंद्रह लाख मौतें हुई हैं।

देशव्यापी प्रदूषण में पीएम 2.5 की घातकता को लेकर कई अध्ययन सामने आए हैं। दरअसल, 2.5 माइक्रोन से छोटे वायु प्रदूषण कण हमारे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में सेंध लगाते हैं, जिससे श्वसन तंत्र को नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते सांस लेने में दिक्कत होती है। साथ ही हृदय रोग और कैंसर का खतरा भी बढ़ सकता है। इन प्रदूषण कारक कणों के फैलने के कई कारण हमारी जीवनशैली में बदलाव से भी जुड़े हैं। मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का न होना भी एक कारण है। वहीं वाहनों के धुएं, औद्योगिक एमिशन का निस्तारण न होने, जीवश्म ईंधन के अधिक प्रयोग, फसल के अवशेष व लकड़ी जलाने से भी इसमें वृद्धि होती है। देश की राजधानी दिल्ली में तो गाहे-बगाहे स्थिति बेहद चिंताजनक होती है। यहां तक कि प्रदूषण का हाई लेवल यानी पीएम 2.5 का सालाना औसत 91.6 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रहा है। इसके अलावा विश्व स्वास्थ्य संगठन के तमाम मानक ऐसे हैं जिनकी कसौटी पर हम खरे नहीं उतरते। हालांकि, प्रदूषण फैलाने में कई प्राकृतिक कारण भी हैं, जिसमें धुंध और अलनीनो प्रभाव भी शामिल हैं। लेकिन यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि देश के कई शहरों में पीएम 2.5 कणों का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित मानकों से दस गुना ज्यादा है। जो सीधे-सीधे आम आदमी के स्वास्थ्य के लिये खतरे की घंटी हैं। लेकिन इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद हमारे शासक-प्रशासकों और जनता में इस गंभीर संकट के प्रति कोई गंभीर चिंता नजर नहीं आती। हर चुनाव में तमाम लोकलुभावन मुद्दे तो हवा में तैरते रहते हैं लेकिन मुफ्त की रेवाड़ियों की आस लगाने वाले लोग अपनी जिंदगी के लिये स्वच्छ हवा की मांग कभी नहीं करते। एक दृष्टि से देखा जाए तो प्रदूषण का यह गंभीर स्तर हमारे तंत्र की नाकामी ही दशार्ता है। यदि देश में मजबूत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था होती तो शायद सड़कों पर कारों का सैलाब न होता। कोरोना संकट ने हमें सबक दिया था कि हमारी गतिशीलता कितना प्रदूषण फैलाती है।

नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाये

समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक खतरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दें। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये।

नदियों के लिये अन्तर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस- 14 मार्च, 2025

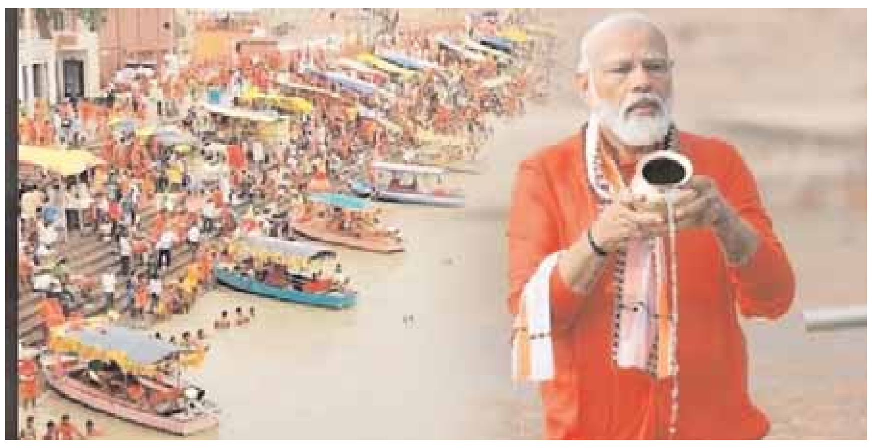

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो?शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के?बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, ह्यनदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवसह्न मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम ह्यहमारी नदियाँ, हमारा भविष्यह्न है। इस दिवस की शुरूआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

नदियों के लिए 28वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्त्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है।

समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक खतरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पदार्फाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है।

भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है।

नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्त्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताजा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए जरूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। घरेलू और औद्योगिक गंदा पानी बहकर जाता है, जलवायु नियंत्रण में मदद करती हैं। नदियां प्राकृतिक संपदा हैं। नदियां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रमुख स्त्रोत हैं, जिनके किनारे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। नदियों के किनारे ही कई प्रमुख शहर, शैक्षिक और पर्यटन से जुड़े शहर बसे हैं। नदियों की साफ-सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा दिए गए हैं, लेकिन लगता है सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये। आधुनिक शोधों से भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को प्रभावित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है। गंगा ने अपनी विभिन्न धाराओं से, विभिन्न स्त्रोतों से भारतीय सभ्यता को समृद्ध किया, गंगा विश्व में भारत की पहचान है। वह मां है, देवी है, प्रेरणा है, शक्ति है, महाशक्ति है, परम शक्ति है, सर्वव्यापी है, उत्सवों की वाहक है। एक महान तीर्थ है। पुराण कहते हैं कि पृथ्वी, स्वर्ग, आकाश के सभी तीन करोड़ तीर्थ गंगा में उपस्थित रहते हैं। गंगाजल का स्पर्श इन तीन करोड़ तीर्थों का पुण्य उपलब्ध कराता है। गंगा का जल समस्त मानसिक एवं तामसिक दोषों को दूर करता है। यह जल परम पवित्र एवं स्वास्थ्यवर्धक है, जिसमें रोगवाहक कीटाणुओं को भक्षण करने की क्षमता है। गंगा का दर्शन मात्र ही समस्त पापों का विनाश करना है। 140 सालों में आने वाला महाकुंभ हाल ही में प्रयासराज में संगम पर 66 करोड़ लोगों का साक्षी बना, जिस गंगा का इतना महत्व है, उपयोगिता है तो फिर क्यों उसके प्रति उपेक्षा एवं उदासीनता बरती जाती रही है?

एआई की बढ़ती क्षमता से इंसानी विवेक को चुनौती

लोकतंत्र और मुक्त व्यापार का समर्थक अमेरिका व समाजवाद-संरक्षण का पैरोकार चीन एआई के क्षेत्र में अग्रणी देश हैं। दुनिया को इनके बीच चुनाव करना है। सवाल यह भी कि इनमें कौन एआई को नियंत्रित करेगा। विज्ञान-प्रौद्योगिकी उपयोगी हैं लेकिन नैतिकता का प्रश्न महत्वपूर्ण है। चिंता इस बात की भी है कि इंसानी नौकरियां कहीं रोबोट न हथिया लें।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विकास ने तेजी पकड़ ली है। सट्टा बाजार में अरबों-खरबों का सवाल यह है कि इसे नियंत्रित कौन करेगा? अमेरिका और चीन के पास सबसे उन्नत एआई है। यही दोनों दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भी हैं, हालांकि ह्यबढ़िया समाजह्न को लेकर उनके विचार भिन्न हैं। इस सिद्धांत में एक पक्ष इस सोच से संचालित है कि उदार बाजार वाला लोकतंत्र सबसे बढ़िया होता है और एक बढ़िया समाज के लिए अर्थव्यवस्था का विशाल होना आवश्यक है। वहीं दूसरा पक्ष स्थिर शासन को महत्व देता है और मानता है कि एक अच्छी अर्थव्यवस्था के लिए सामाजिक सद्भाव मूलभूत अवयव है।

अमेरिका को चिंता है कि एआई की दौड़ में चीन आ चुका है और शायद आगे निकल जाए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, लोकतंत्र और मुक्त व्यापार के चैंपियन के रूप में, अमेरिका ने समाजवाद और घरेलू उद्योगों का संरक्षण करने वाली व्यवस्था के खिलाफ (जिसका प्रतिनिधित्व चीन करता है) दुनिया को अपने पीछे लामबंद किया। मखमली दस्ताने में लिपटी अमेरिका की ह्यसॉफ्ट पॉवरह्न रूपी लोहे की मुट्ठी ढकी-छिपी हुई थी- महाशक्तिशाली सैन्य ताकत और वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर नियंत्रण-जिसके बूते उसका वैश्विक आधिपत्य रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह दस्ताना उतार सच्चाई सामने ला दी। वे अमेरिका को फिर से ह्यमहानह्न बनाना चाहते हैं और चीन का आगे निकलना गवारा नहीं करेंगे। सवाल यह कि बाकी दुनिया क्या बनना चाहती है : ट्रंप के अमेरिका जैसी या शी जिनपिंग के चीन की तरह? या फिर दुनिया पर एआई का नियंत्रण बनने देना?

मानवता के भविष्य के लिए दो बड़ी चिंताएं हैं : नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा कौन जीतेगा -मनुष्य या रोबोट? देशों के अंदरूनी और उनके आपसी वैचारिक टकरावों में कौन जीतेगा- उदार लोकतंत्रवादी या राष्ट्रीय रूढ़िवादी? वैश्वीकरणकर्ता या राष्ट्रवादी?

इन अस्तित्वगत प्रश्नों के नीचे गहरे दार्शनिक सवाल छिपे हैं : क्या एआई मनुष्यों की जगह ले सकती है? ह्यतर्कसंगतह्न उदारवादी ह्यवैकल्पिकह्न सत्यों के समुद्र में क्यों डूबते जा रहे हैं? क्या जटिल घटनाओं को गणितीय विश्लेषण द्वारा समझा जा सकता है? एलन मस्क की संगत में ट्रंप का सत्ता में लौटना और मानव

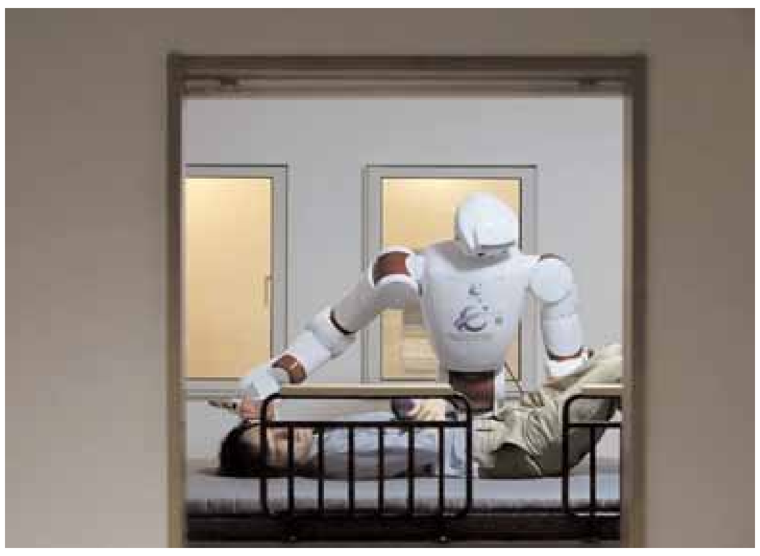

नियंत्रण से बाहर होती जा रही एआई के साथ, यह दार्शनिक प्रश्न पूछना अनिवार्य हो गया है। मैं असल में कौन हूं? हमारे अस्तित्व का उद्देश्य क्या है? ये ऐसे चिरस्थायी प्रश्न हैं, जो हर जगह मनुष्य सदियों से पूछते रहे हैं। इस लेखक ने ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान लिखे एक निबंध में रोबोट की मानसिकता के बारे में अनुमान लगाया था, ह्यरोबोट और हाथी वाले (रिपब्लिकन) किसे वोट देंगे : डोनाल्ड ट्रम्प या शी जिनपिंग?ह्न

जब तक हम यह नहीं जान लेते कि असलियत क्या है, तब तक यह पता नहीं चलेगा कि कृत्रिमता क्या है। जवाबों की तलाश में, लेखक ने कई किताबें पढ़ीं - एआई, गणित, सामाजिक विज्ञान, नैतिक विज्ञान और दर्शन शास्त्र की। कर्ट गोडेल और जॉर्डन एलेनबर्ग, इन दोनों प्रख्यात गणितज्ञों ने गणित की सीमाओं को साबित किया है। एलेनबर्ग ह्यहाउ नॉट टू बी रोंग : द पावर ऑफ मैथमेटिकल थिंकिंगह्न में कहते हैं : ह्यएक वास्तविक खतरा यह कि गणितीय विश्लेषण करने की अपनी क्षमताएं मजबूत करके, कुछ सवालों का हल पा जाने के बाद, हम अपनी धारणाओं पर अडिग आत्मविश्वास बना बैठते हैं, जो कि अनुचित रूप से उन चीजों तक भी विस्तारित हो जाता है, जिनके बारे में हम अभी तक गलत हैं।ह्न विज्ञान और प्रौद्योगिकी चीजों की प्राप्ति का साधन मुहैया करवाते हैं। क्या किया जाना चाहिए झकाम करने का सही ढंगझ्र यह नैतिकता और दर्शन का मामला है, वे विषय जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के पाठ्यक्रम से इतर हैं।

मात्रात्मक और गणितीय क्षमता में गुणात्मक विस्तार करके प्राप्त ह्यवैज्ञानिकह्न होने की चाहत, अध्ययन के तमाम क्षेत्रों पर भी काफी हावी हो गई है। समाज को आकार देने वाली कई शक्तियां, जैसे कि सामाजिक सद्भाव और संस्थाओं में नागरिकों का भरोसा, इनको आसानी से मापा नहीं जा सकता। इसके अलावा, आधुनिक विज्ञान में आस्था के लिए कोई जगह नहीं। जोनाथन हैडट की ह्यद राइटियस माइंड : व्हाई गुड पीपल आर डिवाइडेड बाय पॉलिटिक्स एंड रिलीजनह्न नामक पुस्तक ज्ञान और विश्वास के दायरे के बीच विरोधाभास की गहन जांच करती है। हैडट ने भारत में शोध किया है। उन्होंने हाथी और महावत के उदाहरण का उपयोग मस्तिष्क के ह्यतर्कसंगतह्न हिस्से और आस्थाओं, विश्वासों और भावना वाले मानवीय व्यवहार को निर्देशित करने वाले ह्यगैर-तर्कसंगतह्न भाग के बीच संबंध समझाने के लिए किया है। हाथी बहुत बड़ा जानवर है। महावत (दिमाग का तर्कसंगत हिस्सा) चाहेगा कि गैर-तर्कसंगत हाथी उसके आदेशों का पालन करे। यह आसान नहीं। महावत को स्वीकार करना होगा कि हाथी के मिजाज का ख्याल रखकर चलना है, वरना वह उसे नीचे पटक देगा।

हमारा विश्वास उन तथ्यों को तय करता है, जिसे हम स्वीकार करना चाहते हैं। तथ्य-जांचकताओं के पास भी विश्वास होता है। यहां तक कि वैकल्पिक तथ्यों की जांच करने के लिए एआई एजेंट के पास भी कुछ मूलभूल विश्वास होता है। एआई एजेंट अरबों इंसानी फैसलों की तुलना करके खुद को प्रशिक्षित करते हैं। उन निर्णयों को लेने वाले मनुष्यों की मान्यताएं एआई एजेंटों की मान्यताओं को आकार देती हैं। चूंकि अमेरिका एक जीवंत लोकतंत्र है, जाहिर है लोग अपने हकों के लिए और नेताओं के खिलाफ बोलने का अधिकार चाहेंगे। जबकि चीनी प्रणाली में व्यवस्था का महत्व है : इसमें, लोगों की बजाय हुकूमत के अधिमान को तरजीह है। बेहतर एआई तकनीक विकसित करने को अमेरिका और चीन के बीच दौड़ जारी है। शायद चीन में सीखा एआई एजेंट शी जिनपिंग को वोट देना चाहेगा और अमेरिका में ट्रेंड रोबोट किसी और मुद्दे पर, परंतु एक चीज स्पष्ट है : एआई हमें एक-दूसरे के पास नहीं लाएगा।

सोशल मीडिया ने हमें पहले से ही वैचारिक रूप से बांटकर, अपने-अपने खोल में बंद उन समुदायों में गहराई तक विभाजित कर दिया है, जो एक-दूजे से नफरत करते हैं और एक-दूसरे की बात सुनने को राजी नहीं हैं। एआई ऐसे डिजिटल मंचों को और मजबूती दे रहा है। एआई एजेंट हमारे जीवन को पूरी तरह काबू कर लेंगे : हमारे शरीर को चलाएंगे, हमारे लिए निबंध लिखेंगे और हमारे

होली में केमिकल वाले रंगों को कहें ना,

घर मे ऐसे बनाएं हर्बल कलर

हर साल बड़े धूमधाम से होली का त्योहार मनाया जाता है। इस बार होली का त्योहार 8 मार्च को मनाया जा रहा है। बता दें कि होली के एक दिन पहले होलिका दहन की जाती है। ऐसी मान्यता है कि होलिका दहन से बुराई पर अच्छाई की जीत होती है। होली वाले दिन लोग सुबह से ही रंग खेलना शुरू कर देते हैं। होली में लोग जमकर रंग खेलते हैं लेकिन केमिकल वाले रंग आपकी स्किन के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। आप केमिकल यक्त रंगों की बजाय हर्बल रंगों से होली खेल सकते हैं। होली खेलने के लिए आप हर्बल रंगों को घर पर ही आसानी से बना सकते हैं। आज हम अपने आर्टिकल के जरिए आपको बताएंगे कि होली पर आप कैसे अपने घर पर हर्बल कलर्स को बना सकते हैं।

लाल रंग

लाल रंग के बिना होली का त्योहार अधूरा माना जाता है। इस रंग को बनाने के लिए गुड़हल के फूल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले गुड़हल के फूल को सूखा लें। अब इसे पीस लें। ऐसे आपका हर्बल लाल रंग तैयार हो जाएगा। गीला रंग बनाने के लिए पानी में गुड़हल का पाउडर मिला दें।

पीला रंग

पीला रंग बनाने के लिए आप किचन के सामान का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप हल्दी का इस्तेमाल करके पीला रंग बना सकते हैं। इसके लिए जरूरत के मुताबिकजौ के आटा में हल्दी मिलाएं। इसमें आप पानी डालकर पतला घोल तैयार कर लें। लीजिए तैयार है आपका आर्गेनिक पीला रंग।

ऑरेंज रंग

इस रंग को बनाने के लिए आप पलाश या गेंदे के फूलों का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए होली से एक दिन पहले ही एक गमला पानी में पलाश के फूल डालें। अगले दिन इस पानी से फूल को निकाल दें। होली खेलने के लिए ऑरेंज कलर का रंग बनकर तैयार है। आप चाहें तो गेंदे के फूल की पत्तियों को सुखाकर उसे पीस कर भी रंग बना सकते हैं।

हरा रंग

नेचुरल हरा रंग बनाने के लिए मेहंदी, पालक या नीम के पत्ते का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए इन पत्तियों को पीसकर आटे में मिलाएं और पानी डालकर घोल बना लें।

रंग के बिना होली की कल्पना बहुत ही नीरस हो जाती है। लेकिन रंग अगर शरीर पर जम जाएं तो छुड़ाना बेहद मुश्किल होता है। कोई नहीं चाहेगा कि काला पुता हुआ चेहरा लेकर दूसरे दिन काम पर जाए। आइए जानते हैं होली के जिद्दी रंग को कैसे घर पर आप आसानी से छुड़ा सकते हैं।

चेहरे पर लगे होली के जिद्दी रंग छुड़ाने के आसान और घरेलू तरीके

1. खीरे का प्रयोग भी रंग छुड़ाने के लिए किया जाता रहा है। खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल और एक चम्मच सिरका मिलाकर पेस्ट तैयार करें, इससे मुंह धोएं। चेहरे के रंग भी छूट जाएंगे और त्वचा में निखार भी आ जाएगा।
2. रंग छुड़ाने के मामले में मूली का भी कोई जवाब नहीं है। मूली का रस निकालकर उसमें दूध व बेसन या मैदा मिलाकर पेस्ट बनाएं और उसे चेहरे पर लगाने से भी चेहरा साफ हो जाता है। चेहरा ही नहीं शरीर के किसी भी अंग पर लगे रंग को छुड़ाना हो तो भी इस पेस्ट का उपयोग किया जा सकता है।
3. नींबू और बेसन का प्रयोग करके भी आसानी से रंग छुड़ाया जा सकता है। रंग छुड़ाने के लिए बेसन में नींबू व दूध मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर अपनी त्वचा पर लगाएं। पंद्रह-बीस मिनट तक पेस्ट लगा रहने दें और फिर गुनगुने पानी से मुंह-हाथ धो लें।
4. त्वचा पर लगे गहरे रंग को छुड़ाने के लिए दो चम्मच जिंक ऑक्साइड और दो चम्मच कैस्टर ऑयल मिलाकर लेप बनाएं और इसे चेहरे पर लगाएं। अब इसके बाद हल्के हाथों से रगड़कर चेहरा धो लें। बीस-पच्चीस मिनट बाद साबुन लगाकर चेहरा धोएं। आपकी त्वचा पर लगा रंग उतर जाएगा। ध्यान रहे कि लेप चेहरे पर लगाने के दौरान बहुत रगड़ें नहीं और बेहतर परिणाम के लिए स्पंज का प्रयोग करें।
5. जौ का आटा व बादाम का तेल भी लोग शरीर पर लगे जिद्दी रंग को छुड़ाने में करते हैं। इनके तेल को त्वचा पर लगाकर रंग को साफ किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त दूध में थोड़ा सा कच्चा पपीता पीसकर मिलाएं। साथ ही थोड़ी सी मुलतानी मिट्टी व थोड़ा सा बादाम का तेल मिक्स करें और करीब आधे घंटे बाद चेहरा धो डालें।
6. चेहरे पर दाने हैं और रंग भी जम गए हैं तो संतरे के छिलके व मसूर की दाल व बादाम को दूध में पीसकर पेस्ट बनाएं इस तैयार उबटन को पूरी त्वचा पर मसलें और धो लें। आपकी त्वचा साफ हो जाएगी और उसमें निखार भी आएगा।

होली पर कविता

देखो-देखो होली है आई

देखो-देखो होली है आई
चुन्नू-मुन्नू के चेहरे पर खुशियां हैं आई
मौसम ने ली है अंगड़ाई।

शीत ऋतु की हो रही है बिदाई
ग्रीष्म ऋतु की आहट है आई
सूरज की किरणों ने उष्णता है दिखलाई
देखो-देखो होली है आई।

बच्चों ने होली की योजना खूब है बनाई
रंगबिरंगी पिचकारियां बाबा से है मंगवाई
रंगों और गुलाल की सूची है रखवाई
जिसकी काका ने अनुमति है नहीं दिलवाई।

दादाजी ने प्राकृतिक रंगों की बात है समझाई
जिस पर सभी बच्चों ने सहमति है जतलाई
बच्चों ने खूब मिठाइयां खाकर शहर में खूब धूम है मचाई
देखो-देखो होली है आई।

होली ने भक्त प्रहलाद की स्मृति है करवाई
बच्चों और बड़ों ने कचरे और अवगुणों की होली है जलाई
होली ने कर दी है अनबन की सफाई
जिसने दी है प्रेम की जड़ों को गहराई।

बच्चों! अब है परीक्षा की घड़ी आई
तल्लीनता से करो पढ़ाई वरना सहनी पड़ेगी पिटाई
अथक परिश्रम, पुनरावृत्ति देगी सफलता
अपार जन-जन की मिलेगी बधाई
होगा प्रतीत ऐसा होली-सी खुशियां हैं फिर लौट आई
देखो-देखो होली है आई।

पत्रकार की हत्या से पत्रकारों में रोष, दिया ज्ञापन

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी आये दिन पत्रकारों पर हो रहे हमले और उत्पीड़न से पत्रकारों में रोष है ।पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई सीतापुर की हत्या को लेकर उत्तर प्रदेश के समस्त पत्रकारों में भारी रोष व्याप्त है जहां सभी क्षेत्रीय , स्थानीय पत्रकारों द्वारा भारी विरोध के चलते अपने-अपने जनपद एवं तहसील कार्यालय पर सभी पत्रकार संघठन द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ संबोधित ज्ञापन देकर हत्यारे अपराधियों पर कार्यवाही की मांग की जा रही । उसी कड़ी में उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की हाईवे रोड पर बाइक में टक्कर मारते हुए बाइक से गिराकर गोलियों से छलनी कर हत्या की गई थी। जिसके विरोध में तहसील महरौनी के क्षेत्रीय पत्रकारों द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम उपजिलाधिकारी राजबहादुर सिंह को ज्ञापन दिया गया जिसमें पत्रकार की हत्या करने वाले हत्यारों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए, गिरफ्तारी एवं फांसी की सजा की मांग की गई। मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में मांग की गई। और पत्रकार सुरक्षा कानून लाने की बात रखी गई।इस मौके पर लक्ष्मी नारायण ताम्रकार,ताहर सिंह, राजीव सिंघई मोनू, दुष्यंत बडौनिया, धीरेन्द्र सिंघई, जितेन्द्र तिवारी,देवेंद्र तिवारी,संजय भौडेले,आनंद त्रिपाठी,बब्लू रत्नाकर, धर्मैंद्र सिंह,नीशू दुबे,ऋषि तिवारी,मनोज सेन , नंदकिशोर विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

पत्रकारों की सुरक्षा हेतु सरकार जल्द लागू करे कानून

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने मुख्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर/उत्तर प्रदेश के सीतापुर में हुई राघवेंद्र बाजपेई की गोली मारकर हत्या को लेकर पूरे प्रदेश में सरकार द्वारा पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर कानून व्यवस्था पर प्रश्न उठाए जा रहे हैं सीतापुर में एक अखबार के पत्रकार की सड़क पर गोली मारकर हत्या को लेकर पत्रकार समाज मै भारी आक्रोश बढ़ता जा रहा है जहां एक ओर समाज का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों के ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं जिसको लेकर ललितपुर जिले मैं सभी तहसील स्तर पर यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा जिला अधिकारी द्वारा मुख्य मंत्री को चार सूत्रीय ज्ञापन सौंप कर उत्तर प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा हेतु कानून बनाने की मांग की गई अपर जिला अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में सीतापुर में हुई पत्रकार के हत्यारों को फांसी की सजा के साथ साथ मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी और परिवार को एक करोड़ रुपया मुआवजा दिलाए जाने की मांग की इस मौके पर जिला अध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा,ललितपुर मोदी शिखर चंद्र जैन जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुरेश कुमार कोन्तेय , अजय कुमार तोमर जिला महामंत्री,रामरतन राय जिला मंत्री,धर्म सिंह कुशवाहा अध्यक्ष तहसील द्वारिका प्रसाद रैकवार उपाध्यक्ष ललितपुर ललितपुर तहसील कनैया लाल विश्वकर्मा संरक्षक आदि मौजूद रहे।

मारपीट कर धमकी देने का आरोप, मामला दर्ज

एनपीटी ब्यूरो

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डुलावन में आयोजित तेरहवीं के कार्यक्रम के दौरान खाना परोसने को लेकर एक ग्रामीण का विवाद विपक्षियों से हो गया था। जिसके चलते कहासुनी के दौरान विपक्षियों ने एक राय होकर ग्रामीण को दबोच कर गाली-गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पीडित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

ग्राम डुलावन निवासी खुशीराम पुत्र दुर्जन अहिरवार ने थाना बार पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 13 10 मार्च 2025 को रात्रि करीब 8:00 बजे जब वह अपने ही गांव में संपन्न होने वाले तेरहवीं आयोजन में गया हुआ था, तभी वह पर मौजूद ठाकुरदास पुत्र दुर्गा, भागचंद पुत्र काशीराम और धनीराम पुत्र आसाराम से खाना परोसने को लेकर विवाद उत्पन हो गया। इस दौरान दोनों के बीच हुई कहासुनी से आक्रोशित दबंग विपक्षियों ने उसके साथ सरेआम गाली गलौज करते हुए उसे बेइजत करने का काम किया। इतना ही नहीं जब उसने पक्षियों की इस हरकत पर विरोध जताया, तो उन्होंने एक राय होकर उसके साथ सरेआम मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। थाना बार पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीडित ग्रामीण द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर सभी तीनों नामजद आरोपियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम में कृषि में विविधीकरण अपनाने पर दिया जोर

ललितपुर। मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र उपत कृषि ग्राम योजना अंतर्गत कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अंगीकृत ग्राम ककरुआ और पिपरिया वंशा के प्रगतिशील कृषकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान मौजूद वैज्ञानिकों ने कृषि में विविधीकरण अपने पर जोड़ दिया।

बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्र खिरियामिश्र, ललितपुर में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ मुकेश चंद्र के नेतृत्व में उप निदेशक कृषि वसंत कुमार दुबे के निर्देशन व कृषि विभाग के वित्तीय सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र उप कृषि ग्राम योजना अंतर्गत कृषक वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम में बोलते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक मुकेश चंद ने कृषकों को कृषि में आप वृद्धि करने हेतु महिला समूह का सूजन एवं समूह के माध्यम से उद्यमिता विकास जिसमें बलिनी मिल्क कलेकान सेंटर की स्थापना, किचन गार्डनिंग और उद्यानिकी एवं मूल्य संवर्धन कृषि में विविधीकरण अपना कर जैसे दलहन, तिलहन, बागवानी, बकरी पालन, मुगों पालन, मधुमक्खी पालन को अपना कर छोटे-छोटे उद्योग लगाकर आप बढ़ाने की बात कही वास्तु विशेषज्ञ सस्य विज्ञान डॉक्टर दिनेश तिवारी ने बताया कि अंगीकृत ग्राम में 2024 में समूहवध अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन अंतर्गत दलहन का 70 से अधिक प्रदर्शन दिया गया यहीं केचुआ खाद उत्पादन हेतु 16 कृषकों को प्लास्टिक पोर्टेबल वर्मी बेड और केंचुआ उपलब्ध कराया गया। साथ ही सात कृषकों को यहां जो का प्रदर्शन भी लगाया गया। उन्होंने प्राकृतिक खेती के कृषि निवेश बनाने की विधि और कृषि में प्रयोग के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। पशुपालन डॉक्टर अनुज कुमार गौतम ने बकरी पालन प्रशिक्षण उपरांत स्वरोजगार हेतु मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर अपर उद्यान अधिकारी लक्ष्मीकांत अवस्थी ने उद्यान विभाग की योजनाओं की जानकारी दी वहीं जिला स्तरीय मुर्दा परीक्षण प्रयोगशाला अध्यक्ष बृजेश सिंह यादव ने मृदा परीक्षण और उसके लाभके बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में करवा कृषक महिला स्वयं सहायता समूह अध्यक्ष शशि किरण यादव और सचिव निशा राजपूत ने भी अपने विचार रखें कार्यक्रम में संजीव कुमार शर्मा, धीरज कुमार वर्मा, राजेंद्र कुमार पाठक, अतुल राज तिवारी, ललित कुमार, तिलक राम कौशिक, समीर सिंह, राम मृत्यु तिवारी, सहित अंगीकृत ग्राम के 100 से अधिक प्रगतिशील कृषक एवं महिलाएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर दिनेश तिवारी ने किया।

गृहकर की बढ़ी दरों के खिलाफ मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौपा।

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर महरौनी/ गृहकर की बढ़ी हुई नई दरों के खिलाफ समाजसेवी भाजपा नेता पवन मोदी ने सभासदों एवं नागरिको के साथ

मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी महोदय को सोपा जिसमे माग की गयी है। कि गृहकर की प्रस्तावित बढ़ी हुई दरो को तुरन्त वापिस लिया जाए क्योंकि बढी हुई दरे

1 अप्रेल 2025 से लागू किया जाना है

इस मौके पर पवन मोदी ने बताया कि.नगर पालिका अधिनियम 2024 के अन्तरगत गृहकर की दरे वार्डवार / भवन या भूमि वार प्रति वर्ग फुट के हिसाब से निर्धारित की गई है जिसमें पहली मंजिल, दूसरी मंजिल एवं तीसरी मंजिल आदि का अलग-अलग गृहकर लगेगा जबकि इसके साथ-साथ नगर पंचायत पहले से ही यूजर चार्ज (वशीर्ूंशी) (डोर टू डोर कचरा वाहन का) 480 रु० प्रति वर्ष वसूल रहा है जो कि न्यायोचित एवं जनहित में नहीं है इससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

उन्होने बताया कि बुन्देलखण्ड में सबसे ज्यादा गरीबी, बेरोजगारी एवं भुखमरी व्याप्त है जिससे यहाँ के लोगों की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय है अतः प्रदेश के मुख्यमंत्री से जनहित एवं पार्टी हित मे ग्रहकर की बढ़ी हुई दरो को महरौनी नगर पंचायत समेत समूचे बुन्देलखण्ड से तुरंत वापिस लेने का आग्रह किया है।

बच्चों को एसपी ने पिचकारी बांटकर दी होली की शुभकामनाएं

चत्रकूट ब्यूरोः पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने गुरुवार को चैकी सरैंया क्षेत्र के रम्पुरिया गांव में बच्चों व उनके परिजनों को पिचकारी, रंग, गुलाल, टोपी एवं मिठाईयां आदि का वितरण कर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही होली के पर्व को शांतिपूर्वक मनाते हुए नशा न करने की सलाह दी।

होली पर्व के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने क्षेत्राधिकारी मऊ यामीन अहमद के साथ रम्पुरिया गांव में बच्चों व उनके परिजनों को होली की शुकामनाएं देते हुए पिचकारी, रंग, गुलाल व मिठाईयां आदि वितरित की। जिससे बच्चों के चेहरे में खुशी नजर आई। पुलिस अधीक्षक ने कहा होली सभी लोग होली का त्यौहार शान्तिपूर्ण और हर्षोल्लासपूर्वक सावधानी से मनाए। अभिभावकों से कहा कि अपने बच्चों बच्चों को स्कूल अवश्य भेजे, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो तथा उनका भविष्य उज्ज्वल हो। पुलिस अधीक्षक ने मौजूद समस्त लोगो से अपील की कि होली में मादक पदार्थों का सेवन न करें। साथ ही होलिका दहन मनाते समय सावधानी रखे, जिससे आगजनी जैसी घटना न घटित होने पाए।

इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर दुर्गविजय सिंह, प्रभारी निरीक्षक बहिलपुरवा आशुतोष तिवारी, चैकी प्रभारी सरैंया रामअधार सिंह, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

फाउंडेशन ने महिलाओं को किया सम्मानित

चित्रकूट ब्यूरोः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के उपलक्ष्य में गुरुवार को द हंस फाउंडेशन द्वारा महिला सम्मान दिवस भव्य आयोजन किया गया। जिसमें महिला सशक्तिकरण और समाज में उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत लोकगीत, खेल प्रतियोगिताएं, प्रेरणादायक कहानियों को साझा करने और होली मिलन समारोह से हुई। जिनके विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही, सभी प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं फतेहपुर जिला प्रभारी भाजपा रंजना उपाध्याय, विकास पथ सेवा संस्थान चित्रकूट के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर सिंह, दिया वेलफेयर सोसाइटी की सचिव ममता सोनी आदि ने विचार प्रस्तुत किए। संस्थान के अधिकारियों ने बताया कि यह संस्थान बुंदेलखंड क्षेत्र में स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है और इस वर्ष अपनी 15वीं वर्षगांठ मना रहा है। संगठन ने अब तक 40 मिलियन से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

इस मौके पर द हंस फाउंडेशन के प्रतिनिधि, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर राधा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी कविता, अंकिता, संध्या, नमिता, आलोक शुक्ला आदि मौजूद रहे।

शिवांगी को मिली सफलता

खण्डेहा, चित्रकूटः कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक चयन परीक्षा 2024 में मऊ तहसील के खण्डेहा गांव के निवासी भूपेन्द्र सिंह की पुत्री शिवांगी सिंह ने सफलता हासिल करते हुए जिले का नाम रौशन किया है। शिवांगी का चयन आयकर विभाग में स्टैटिकल इनवेस्टिगेटर-द्वितीय पद पर हुआ है। उनकी सफलता पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

होलिका जली... बरसेंगे रंग, गूंजेगा जोगीरा

ललितपुर। जनपद में बृहस्पतिवार की देर रात को होलिका दहन के लिए जगह-जगह तैयारी की गई थी। देर रात को जिले के 854 स्थानों पर होलिका दहन की तैयारी की गई थी। रात में विधि विधान के साथ होलिका का दहन किया गया। अब होलिका दहन के बाद शुक्रवार को सुबह से होली की धूम रहेगी और शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में रंगों के साथ कीचड़ की होली खेली जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गए हं। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बृहस्पतिवार को श्रद्धा व उत्साह के साथ गली मोहल्लों व सार्वजनिक स्थानों पर होलिका का दहन किया गया। देर रात को मुहूर्त होने पर होलिका दहन किया गया।

सर्विलांस टीम ने चोरी हुए 11 फोन बरामद कर मोबाइलधारकों को किए सुपुर्द

चित्रकूट ब्यूरोः पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में सर्विलांस टीम ने लगभग 1 लाख 50 रुपये के खोये हुए 11 मोबाइल फोन बरामद कर मोबाइल धारकों के सुपुर्द किया।

सर्विलांस टीम प्रभारी एमपी त्रिपाठी ने बताया कि मोबाइल धारकों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष अपना मोबाइल फोन चोरी हो जाने के सम्बन्ध में पूर्व में प्रार्थना पत्र दिये थे। जिस पर पुलिस अधीक्षक द्वारा चोरी हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी के लिए निर्देश दिये गये थे। जिसके बाद सर्विलांस टीम ने प्रयास करते हुए कुल 11 चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर गुरुवार को मोबाइल धारकों के सुपुर्द किए गए। मोबाइल बरामद करने वाली टीम में सर्विलांस टीम प्रभारी सहित, सर्विलांस निरीक्षक एमपी त्रिपाठी, प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ उपनिरीक्षक पवन प्रधान, मुख्य आरक्षी नीतेश समाधिया, जितेन्द्र कुमार व आरक्षी रोहित सिंह, आशीष यादव, ज्ञानेश मिश्रा, पवन राजपूत, राघवेन्द्र, रोशन सिंह व गोलू भार्गव शामिल रहे।

सिंचाई बंधु की बैठक में क्षेत्रीय किसानों ने बताई समस्याएं

चित्रकूट ब्यूरोः सिंचाई बंधु की बैठक में क्षेत्रीय किसानों ने पम्प कैनालों में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाने की मांग की। साथ ही किसान समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण न होने पर आंदोलन की धमकी भी दी। जिला मुख्यालय में सिंचाई बंधु की बैठक उपाध्यक्ष दिनेश सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिसमें भाकियू के सदर तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि बैठक में लघु डाल विभाग के अधिकारियों द्वारा किसानों की शिकायतों का निस्तारण झूठे साक्ष्य प्रस्तुत करके अधिकारियों को गुमराह करते हुए किया जाता है। नहरों में अतिक्रमण करने वालों की सूची अब तक न उपलब्ध कराए जाने से प्रतीत हो रहा है कि विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की साठ-गांठ से भू-माफिया ऐसा कर रहे है। इसके अलावा सोनेपुर पंप कैनाल खरीफ में न चलाए जाने पर अब तक कोई स्पष्ट शासनादेश विभाग द्वारा नहीं कराया गया है। आरोप लगाया कि शासन द्वारा नहरों के नवीनीकरण के लिए प्राप्त धन में धांधली की जा रही है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में लमियारी पंप कैनाल के लिए तत्कालीन मंत्री द्वारा बार्ज निर्माण के लिए 40 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। जिस पर पुनः इसी सत्र में आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त धन स्वीकृत किया गया है। यह जांच का विषय है और गंभीरता से जांच कराई जानी चाहिए। बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि जिले की समस्त पैंप कैनाल में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाएं। साथ ही बैठक सभागार में भी कैमरे लगवाएं जाएं। इस मौके पर अधिशासी अभियंता सिंचाई प्रखण्ड प्रथम एस के सिंह, सहायक अभियंता नितिन कुमार, उपखंड अधिकारी शीखम चंद्र, सहायक अभियंता गुरु प्रसाद, क्षेत्रीय किसान छेदीलाल सिंह, राजकिशोर सिंह, जसवंत सिंह, देवेन्द्र सिंह, श्रीकेशन राजपूत आदि मौजूद रहे।

रामनवमी को चित्रकूट गौरव दिवस के रूप में मनाने के लिए हुई बैठक

चित्रकूट ब्यूरोः धर्मनगरी में आगामी रामनवमी पर्व को चित्रकूट गौरव दिवस के रूप में मनाने की तैयारी के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के अधिकारियों, संत महात्माओं व जनप्रतिनिधियों के साथ गुरुवार को कलेक्टरेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आयोजन के सम्बन्ध में तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में दीन दयाल शोध संस्थान के संगठन सचिव अभय महाजन ने कहा कि चित्रकूट गौरव दिवस के अवसर पर दीपोत्सव का कार्यक्रम होना चाहिए। पर्व को भव्य तरीके से मनाने के लिए सभी लोगों से सहयोग की अपेक्षा है। बताया कि पूर्व के आयोजन में गायत्री पीठ, दीनदयाल शोध संस्थान व सामाजिक संगठनों द्वारा रामघाट, परिक्रमा मार्ग सहित पूरे क्षेत्र में लगभग 11 लाख दीपक जलाए गए थे। कहा कि गौरव दिवस के अवसर पर इस वर्ष रामनवमी को 21 लाख दीपक सायं सात बजे जलाए जाएं। जिसमें अधिक से अधिक सहयोग अपेक्षित है।

अन्य लागों ने ग्रावों व मोहल्लों में घर के सामने रंगोली व द्वार पर राष्ट्रीय ध्वज भी लगाएं जाएं। प्रमुख संगठनों ने कहा कि सोशल मीडिया में भी विचार डालें। जिससे जनपद में प्रचार-प्रसार हो सके। अधिकारियों व महंतों ने कहा कि वार्डो में सभासदों के साथ बैठक करें एवं वार्ड व मोहल्लों में दीपक जलाने के लिए सभासदों को भी नामित किया जाए। संतोषी अखाड़ा से सीतारमन ने कहा कि गौरव दिवस भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसलिए जनमानस तक पहुंचकर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें। नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि भगवान श्रीरामचंद्र के विजय दिवस को रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। कहा कि इस दिन जनपद के प्रमुख स्थानों में बुंदेलखंड की विधाओं पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लोग समन्वय स्थापित कर सकुशल चित्रकूट गौरव दिवस मनाए। साथ ही इसके प्रचार-प्रसार के लिए भी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी सतना सतीश एस कुमार ने कहा कि ट्रैफिक नियम का पालन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाए। उन्होंने उपजिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया कि होटल, ट्रेड स्थल व संगठनों से समन्वय बनाकर दीपक जलवाएं। कहा कि मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश दोनों जनपदों के लोगों से समन्वय करते हुए गौरव दिवस मनाएं। बैठक में मौजूद सभी संगठनों, व्यापार मंडल, होटल संघ, अधिवक्ता संघ व संत-महात्माओं ने भी तैयारियों के सम्बन्ध में विचार रामनवमी प्रस्तुत किए।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक सतना विक्रम सिंह, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्रा, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, भाजपा नेता अवनीश अवस्थी, आलोक पांडेय, उपजिलाधिकारी मझगवां एपी द्विवेदी, पुलिस क्षेत्राधिकार कर्वी राजकमल, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह, पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, गायत्री शक्तिपीठ से डॉ रामनारायण त्रिपाठी, कामदगिरि प्रमुख द्वार के संत मदन गोपाल सहित संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

होली के त्योहार पर खाद्य सुरक्षा विभाग की सख्त ऐक्शनः 400 किलो नकली घी नष्ट किया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथल-तिजारा,13 मार्च। होली के त्योहार से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 400 किलो नकली और मिलावटी घी नष्ट किया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार और अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई भिवाड़ी के प्रसिद्ध बाबा मोहन राम जी के मेले में की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री अरविंद गेट के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने की। मेले में कई दुकानों पर नकली घी बिक्री के लिए रखा गया था, जिनके पैकिंग पर एफएसएसएआई अधिनियम 2006 के अनुसार कोई भी फूड मार्क, मैन्युफैक्करिंग और एक्सपायरी डेट अंकित नहीं थी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि सैंपल को मोबाइल फूड टेस्टिंग वैन में जांच करवाया गया मौके पर जांच में मिलावट की आशंका और घी का दूषित होना पाया गया जिसमें से गंदी बदबू आ रही थी इसके उपरांत मौके पर घी को जप्त किया गया और जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर मौके पर नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस तरह का नकली घी न खरीदें और सभी खाद्य व्यापारियों को निर्देशित किया गया है कि वे किसी भी प्रकार की खाद्य सामग्री खुले में न बेचें।

इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के सदस्य महिपाल गुर्जर और सुभाष यादव भी शामिल थे। विभाग ने यह भी कहा कि आगामी तीन दिनों तक इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

दांडी मार्च के सत्याग्रहियों को किया नमन

खैरथल-तिजाराः महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति की ओर से आज दांडी मार्च में शामिल सभी सत्याग्रहियों एवं वीर देशभक्तों को नमन किया जिला संयोजक हिमांशु शर्मा ने बताया कि दांडी मार्च एक ऐतिहासिक घटना है'जो भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। यह दांडी मार्च महात्मा गांधी के नेतृत्व में 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक हुआ था।

दांडी मार्च का सभी सत्याग्रहियों का उद्देश्य ब्रिटिश सरकार द्वारा लगाए गए नमक कर के विरोध में था। उस समय, ब्रिटिश सरकार ने नमक के उत्पादन और बिक्री पर एक कर लगाया था, जिससे भारतीयों को बहुत परेशानी होती थी। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के जिला संयोजक हिमांशु शर्मा ने बताया कि

महात्मा गांधी ने इस कर के विरोध में एक सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया, जिसमें उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ मिलकर साबरमती आश्रम से दांडी तक की यात्रा की। यह यात्रा लगभग 24 दिनों तक चली थी और इसमें लगभग 78 अनुयायी शामिल थे।

दांडी मार्च के दौरान, गांधी जी और उनके अनुयायियों ने नमक कानून के विरोध में कई सभाएं और प्रदर्शन किए। उन्होंने लोगों को नमक कानून के बारे में जागरूक किया और उन्हें इस कानून के विरोध में एकजुट होने के लिए प्रेरित किया।

दांडी मार्च का समापन 6 अप्रैल 1930 को दांडी में हुआ था, जहां बापू ने समुद्र के पानी से नमक बनाकर नमक कानून का उल्लंघन किया था। इस घटना ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा दी और इसे स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ इस अवसर पर सभी गांधी कार्यकताओं ने सत्याग्रहियों को नमन किया' यह जानकारी महात्मा गाँधी जीवनदर्शन समिति के खैरथल-तिजारा अध्यक्ष ईस्माइल खां,ब्लॉक संयोजक बक्सानंद भारती,खैरथल शहर संयोजक नारायण छागाणी ने दी

बाबा मोहन राम का लखी मेला शुरू

बाबा मोहन राम का लखी मेला शुरू

खैरथल-तिजाराः भिवाड़ी में कई राज्यों के लाखों लोगों की आस्था से जुड़ा बाबा मोहन राम का लख्खी मेला आज से शुरू होगा। गत तीन से चार दिनों पहले ही लोग अलग-अलग राज्यों से बाबा की ज्योत के दर्शन करने के लिए आना शुरू हो चुके हैं। इस बार करीब 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आने की संभावना जताई जा रही है। मेले की व्यवस्था को लेकर प्रशासन की तरफ से इस बार कई बड़े बदलाव किए गए हैं जिसमें भीड़ नियंत्रण, मेले की साफ सफाई सहित श्रदालुओं की चाक चौबंद सुरक्षा शामिल है। पूरी व्यवस्था को ब्रीफ करने के लिए भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने एक प्रेस वार्ता करते हुए बताया कि इस बार बाबा की ज्योत के दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए कई बड़े बदलाव किए गए हैं। जिसमें काली खोली पर अखंड ज्योति के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु नीले घोड़े से चार लाइनों में होते हुए सीढ़ियों तक पहुंचेंगे उसके बाद सीढ़ियों के जरिए आगे बढ़ते हुए मुख्य भवन तक पहुंचेंगे। यहां पर पहली बार हाल में स्टील की रेलिंग लगाकर करीब ढाई ढाई फीट चौड़ी 8 लाइन बनाई गई है। इन लाइनों में से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आगे बढ़ेंगे और यहीं पर चार लाइन वालंटियर के लिए बनाई गई है। बीच-बीच में दानपात्र और ज्योति में घी डालने के लिए पात्र रखे गए हैं जिनमें सभी श्रद्धालु दान पात्रों में अपने दान के रुपए और घी के पात्रों में घी डालते हुए आगे बढ़ेंगे। बुधवार को मेले की तैयारी का जायजा लेने के लिए भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी, एडिशनल एसपी अतुल साहू, डीएसपी कैलाश चौधरी, एडीएम सुमित्रा पारीक, एसडीएम टपूकड़ा लाखन सिंह सहित कई अधिकारी मेला स्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मेला स्तर पर कानून व्यवस्था, इमरजेंसी के लिए मेडिकल व्यवस्था सहित कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों को निर्देश दिए। भिवाड़ी पुलिस की तरफ से इस बार करीब चार से पांच किलोमीटर का एरिया बड़े वाहनों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। हर बार की तरह ही शहर के चारों तरफ बड़े पार्किंग स्थल भी बनाए गए हैं।

रंग लगाने से मना करने पर छात्र की बेरहमी से हत्या, लाइब्रेरी में लात-घूंसे और बेल्ट से पीटा

दौसा । राजस्थान के दौसा जिले में होली के मौके पर लाइब्रेरी में रंग लगाने को लेकर विवाद हो गया। कुछ युवकों ने मिलकर एक युवक को बेल्ट और लात-घूंसों से जमकर पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई।

दौसा में रामगढ़ पचवारा के रालावास गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 25 वर्षीय छात्र हंसराज की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। आरोप है कि रंग लगाने से मना करने पर तीन छात्रों ने उसे बेल्ट और लात-घूंसों से पीटा और गला दबाकर उसकी जान ले ली। बता दें कि घटना बुधवार दोपहर करीब चार बजे गांव की लाइब्रेरी में हुई, जहां हंसराज पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार को इस घटना का वीडियो सामने आया, जिसके बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने लालसोट अस्पताल में प्रदर्शन किया। इसके बाद शव को लेकर नेशनल हाइवे-148 (दौसा-कौथून) पर रखकर धरना दिया गया, जिससे हाइवे आठ घंटे तक जाम रहा।

लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल के मुताबिक, हंसराज का लाइब्रेरी में पढ़ने वाले तीन छात्रों अशोक, बबलू और कालूराम से होली के रंग लगाने को लेकर विवाद हो गया। जब हंसराज ने रंग लगाने से इनकार किया, तो तीनों उसे जबरदस्ती लाइब्रेरी के अंदर खींच ले गए और बेल्ट व घूंसों से बेरहमी से पीटा। मारपीट के दौरान किसी ने उसका गला दबा दिया, जिससे वह अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ा।

ाटना के बाद लाइब्रेरी में मौजूद अन्य छात्र मौके पर इकट्ठा हो गए। एक महिला ने हंसराज को होश में लाने की कोशिश भी की और आरोपियों को फटकार लगाई, लेकिन जब हंसराज होश में नहीं आया, तो आरोपी वहां से भाग गए। उसे गंभीर हालत में लालसोट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

होली पर राजस्थान में बारिश, अलवर और सीकर में बूंदाबांदी के बाद तेज हवाओं से बदला मौसम

जयपुर । राजस्थान में गुरुवार को मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग की ताजा अपडेट के अनुसार, अलवर और सीकर में बारिश के साथ तेज अंधड़ से मौसम पलट गया।

राजस्थान में होलिका दहन से पहले प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने गुरुवार सुबह प्रदेश में बारिश की चेतावनी जारी की थी। इसके बाद शाम को अलवर और सीकर में हल्की बारिश और तेज अंधड़ से मौसम अचानक बदल गया।

बता दें कि मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग की ताजा अपडेट के अनुसार, अलवर और सीकर में बारिश के साथ तेज अंधड़ से मौसम पलट गया। अलवर में 2.4 एमएम तथा सीकर में आठ एमएम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि आज से प्रदेश में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है, जिसके प्रभाव से जयपुर और बीकानेर संभाग में हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, 14 और 15 मार्च को जयपुर, भरतपुर, बीकानेर संभाग तथा जैसलमेर, फलौदी और नागौर के आसपास के क्षेत्रों में बारिश हो सकती है। इसके बाद 16 मार्च को भी जयपुर और भरतपुर संभाग में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

राजस्थान में होली और जुमे की नमाज को लेकर सुरक्षा कड़ी, पुलिस अलर्ट मोड में

जयपुर । राजधानी जयपुर में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शहर के अति संवेदनशील इलाकों में रैपिड एक्शन फोर्स की टीमों को रिजर्व में रखा गया है।

होली और रमजान के मद्देनजर राजस्थान में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस प्रशासन ने राज्य के संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। जयपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर, सीकर, पाली और झुंझुनूं जिले सहित विभिन्न जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

जयपुर में रैपिड एक्शन फोर्स और 2000 पुलिसकर्मी तैनात

राजधानी जयपुर में पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। शहर के अति संवेदनशील इलाकों में रैपिड एक्शन फोर्स (फ्अऋ) की टीमों को रिजर्व में रखा गया है। सुरक्षा व्यवस्था में 11 एडिशनल डीसीपी, 48 एसीपी, 80 सीआई, 1500 हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल तथा 350 महिला पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर लगाया गया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) डॉ. रामेश्वर सिंह के अनुसार, त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त इंतजाम किए गए हैं।

कोटा में ड्रोन से निगरानी, 1200 जवान तैनात

कोटा में सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन ने ड्रोन कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की है। फ्लैग मार्च के दौरान 4 एएसपी, 7 डीएसपी, 17 सीआई सहित कुल 1200 पुलिस जवानों की तैनाती की गई। सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन के अनुसार संवेदनशील इलाकों में 3 दिन से ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। धुलंडी के दिन शहर में कालिका टीम, सिगमा, मोबाइल टीमें और 1000 से अधिक पुलिसकर्मी अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात रहेंगे।

भीलवाड़ा में देर रात तक पुलिस अलर्ट

भीलवाड़ा में पुलिस खासतौर पर अलर्ट है। एएसपी पारस जैन के अनुसार 1100 पुलिस जवानों को फील्ड में तैनात किया गया है। होलिका दहन का मुहूर्त देर रात का होने के कारण संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी बरती जा रही है।

उदयपुर में 300 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे और सादी वर्दी में पुलिसकर्मी

उदयपुर में संवेदनशील इलाकों में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिसकर्मियों को सादी वर्दी में भी तैनात किया गया है। एएसपी उमेश के अनुसार, शहर के हर थाना क्षेत्र में दो-दो संवेदनशील जोन बनाए गए हैं, जहां पुलिस की कड़ी निगरानी होगी।

यह भी पढ़ेंः होली के कारण डेढ़ महीने में खोला सांवलिया सेठ का भंडार, पहले चरण में साढ़े सात करोड़ की हुई गणना

अजमेर के दरगाह क्षेत्र में विशेष सुरक्षा, पुलिस का फ्लैग मार्च

अजमेर में पुलिस प्रशासन ने फ्लैग मार्च निकालकर सुरक्षा का जायजा लिया। एसपी वंदिता राणा के अनुसार जिलेभर में पुलिस अलर्ट मोड में है। अजमेर दरगाह क्षेत्र में शुक्रवार को विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे।

सीकर में 600 पुलिस जवान तैनात, ड्रोन से निगरानी

सीकर में पुलिस ने सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए हैं। 600 से अधिक पुलिसकर्मी जिले में तैनात किए गए हैं। कोतवाली और उद्योग नगर थाना क्षेत्र में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी।

पाली में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, 500 जवान तैनात

पाली जिले में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों में 500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

झुंझुनूं में 1300 जवान तैनात, नवलगढ़ में विशेष सुरक्षा

झुंझुनूं में कुल 1300 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं, जिनमें से 600 जवान केवल नवलगढ़ में रहेंगे। आरएसी की दो कंपनियां और जयपुर रेंज से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है।

टोंक में पुलिस का फ्लैग मार्च

राजस्थान की नवाबी नगरी टोंक में होली और रोजेदारों के जुम्मे यानी शुक्रवार की नमाज कल साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ मनाने के लिए पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने शहर में पुरानी टोंक से लेकर मुख्य बाजार, छावनी चौराहे से होकर घंटाघर चौराहे और बहीर तक पुलिस जवानों, अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च किया। पुलिस के हथियारबंद जवानों के साथ फ्लैग मार्च कर आमजन की सुरक्षा चुस्त दुरुस्त होने का संदेश दिया गया। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने मीडिया से बातचीत करते हुए सभी को होली की शुभकामनाएं दी और कहा कि होली के त्योहार को साम्प्रदायिक सौहार्द के साथ मनाया है। कोई भी व्यक्ति शांति भंग करने की या माहौल बिगाड़ने की कोशिश भी करेगा तो पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी।

आपको बता दें कि टोंक शहर सहित मालपुरा में सम्राट की ऐतिहासिक सवारी का आयोजन कल यानी धुलंडी के दिन किया जाएगा। पिछले कई साल से परम्परागत तरीके से इसका आयोजन किया जाता है। टोंक में भी कल धुलंडी के मौके पर पुरानी टोंक से सम्राट की सवारी ऊंट गाड़ी निकाली जाएगी, जिसमें करीब दर्जन भर से ज्यादा ऊंट गाड़ियों के साथ सम्राट का सवारी निकाली जाएगी। इस दौरान भाजपा नेताओं के साथ हजारों की तादाद में हिंदू संगठनों के युवा और शहरवासी शामिल होंगे। पुरानी टोंक से शुरू होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए मुख्य बाजार, कोतवाली पुलिस थाना सहित बड़ा कुआं, बड़ा तख्ता सहित विभिन्न इलाकों और रास्तों से होते हुए निकलेगी। इस दौरान ड्रोन से शहर में निगरानी रखी जाएगी। वहीं, चप्पे-चप्पे पर पुलिस के हथियारबंद जवान भी तैनात रहेंगे। डीवाईएसपी, एएसपी सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी लगातार निगरानी रखेंगे।

होली के कारण डेढ़ महीने में खोला सांवलिया सेठ का भंडार, पहले चरण में साढ़े सात करोड़ की हुई गणना

चित्तौड़गढ़। होली के कारण डेढ़ महीने में सांवलिया सेठ का भंडार खोला गया। पहले चरण में साढ़े सात करोड़ की गणना हुई।

पूरे देश में होली के त्योहार का उत्सव है। होलिका दहन के अगले दिन शुक्रवार को रंग-बिरंगे गुलाल और कलर से होली खेली जाएगी। वहीं, जिले के प्रख्यात कृष्णधाम श्री सांवलियाजी मंदिर में वृंदावन की तर्ज पर भक्त भगवान के साथ होली खेलेंगे। इसके एक दिन पहले यानी गुरुवार को भगवान सांवलियाजी सेठ का भंडार खोला गया। पहले चरण की गणना में भंडार से सात करोड़ 55 लाख रुपये चढ़ावा राशि की गणना हुई। वहीं, शेष राशि की गणना आगामी दिनों में की जाएगी। होली का त्योहार होने के कारण इस बार डेढ़ महीने में भंडार खोला गया है।

जानकारी के अनुसार, भगवान सांवलिया सेठ के मंदिर में भंडार प्रत्येक महीने में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को खोला जाकर चढ़ावा राशि की गणना की जाती है। लेकिन होली और दीपावली के त्योहार पर डेढ़ महीने का भंडार खोला जाता है। ऐसे में इस बार होली के त्योहार के कारण गुरुवार को ठाकुरजी का भंडार खोला गया। यहां मंदिर में सुबह 11.15 बजे राजभोग की आरती का समापन हुआ। इसके बाद भंडार खोलकर चढ़ावा राशि की गणना शुरू की गई।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर और सांवलियाजी मंदिर मंडल की मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम के अलावा नायब तहसीलदार व मंदिर मंडल के प्रशासनिक अधिकारी प्रथम शिवशंकर पारीक, भदेसर डिप्टी अनिल शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय नन्दकिशोर टेलर, मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा, संपदा प्रभारी भैरूगिरी, मंडफिया थानाधिकारी गोकुल लाल डांगी आदि मौजूद रहे। इसके अलावा सांवलिया मंदिर बोर्ड के सदस्य संजय कुमार मण्डोवरा, ममतेश शर्मा सहित विभिन्न बैंकों के कार्मिक मौजूद थे।

यहां गुरुवार शाम तक चढ़ावा राशि की गणना की गई। पहले चरण में की गई गणना में सात करोड़ 55 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई। वहीं, शेष बची राशि की गणना धुलंडी के त्योहार के बाद आगामी दिनों में की जाएगी। इसके अलावा भंडार से प्राप्त सोना एवं चांदी तथा भेंट कक्ष में प्राप्त राशि की गणना सहित सोना तथा चांदी का वजन भी बाद में होगा।

जिलेभर में धूमधाम से मनाया गया होली का त्यौहार

महिलाओं ने की होलिका की पूजा अर्चना, बच्चों की खुशहाली व सलामती की प्रार्थना, होली को लेकर शहर में उत्साह, बाजारों में खरीददारी

देर शाम हुआ होलिका का दहन, सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स रहा मौजूद

एनपीटी संवाददाता

शामली। आपसी सौहार्द एवं भाईचारे का प्रतीक होली का पर्व गुरुवार को पूरी श्रद्धा, उल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने होलिका की पूजा अर्चना कर अपने बच्चों व परिवार की खुशहाली की कामना की तथा होली के गीत गाए। बाजारों में भी होली के सामानों की खरीददारी की। बच्चों व युवाओं में होली का अच्छा खासा उत्साह नजर आया। छोटे-छोटे बच्चे रंग गुलाल में पुते नजर आए वहीं बच्चों ने आने जाने वालों पर पानी से भरे गुब्बारे फेंके। वहीं पर्व को देखते हुए शहर में कई स्थानों पर पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गयी थी। होलिका स्थल के आसपास भी पुलिसकर्मियों को कडी निगरानी के निर्देश दिए गए थे। देर शाम पूजन के बाद होलिका जलायी गयी जिसमें भारी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं प्रेम का प्रतीक होली का त्यौहार गुरुवार को पूरी उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही घरों में विशेष तैयारियां की गयी थी। लोगों ने सुबह के समय मंदिरों में पहुंचकर भगवान की पूजा अर्चना की। शहर के मंदिर हनुमान टीला हनुमान धाम, गुलजारी वाला मंदिर, भाकूवाला मंदिर, सती वाला मंदिर सहित सभी मंदिरों में भारी संख्या में महिलाओं, पुरुषों व बच्चों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। छोटे-छोटे बच्चे रंग-बिरंगे सुंदर कपडों में नजर आए। महिलाओं ने अपने बच्चों के साथ होलिका स्थल पर पहुंचकर पूजा अर्चना की तथा परिवार की सुख शांति की कामना की तथा होली के गीत गाए। पर्व को लेकर घरों में विशेष व्यंजन बनाए गए। वहीं शहर के माजरा रोड स्तिथ जैन विहार कॉलोनी के बाहर बने होलिका की महिलाओं ने पूजा अर्चना की और होली के परिक्रमा कर अपने परिवार एवं अपने बच्चों की सुख शांति एवं तरक्की के लिए प्रार्थना की। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स भी तैनात रहा। वही होली महोत्सव कमेटी माजरा रोड ने विधि विधान से हवन पूजन करते हुए होलिका की पूजा की। होली महोत्सव कमेटी के अध्यक्ष सुशील कुमार लिलौन ने बताया कि कमेटी के अन्य लोग भी हवन पूजन में शामिल हुए और सभी ने हवन में आहुति देकर देश की तरक्की और सभी की सुख शांति की कामना की। होलिका दहन के पश्चात कमेटी के लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और प्रसाद का वितरण किया। इस अवसर पर सुंदर धीमान, सतबीर कश्यप, योगेन्द्र पंवार, आबिद मलिक, मनोज धीमान, वीरेन्द्र जैन, विक्रांत एडवोकेट, अतुल शर्मा, कल्लू, अशोक गोयल, सुबोध धीमान, अजय धीमान, सोनू गुणदेव, अमन पुरी मौजूद रहे।

दुल्हैंडी खेलने से पूर्व बरतें ये सावधानी

होली खेलने से पहले अपने पूरे शरीर पर तेल लगा लें। बालों पर तेल लगाना न भूलें। सरसों के तेल की जगह नारियल का तेल लगाना बेहतर विकल्प है। शरीर को ढककर रखें। होली पर फुल स्लीव्स के कपड़े पहनना बेहतर रहेगा। नेचुरल रंगों का इस्तेमाल करें। बहुत अधिक गहरे रंगों का इस्तेमाल न करें। इनमें केमिकल्स होने की आशंका अधिक होती है। जिससे स्किन एलर्जी, एग्जीमा और बालों से जुड़ी समस्या हो सकती है। सुरक्षित होली खेलें। ध्यान रखें कि होली का रंग आपके मुंह, नाक और आंख में न जाए वरना सांस लेने में दिक्कत हो सकती है और आंखों में जलन हो सकती है। भांग और एल्कोहल से दूर रहने में ही भलाई है, इनके सेवन से डीहाइड्रेशन होने का खतरा होता है।

होली पर बाजारों में भीड के कारण लगा रहा जाम, लोग रहे परेशान

शामली। गुरुवार को होली के पर्व पर भी बाजारों में उमडी भीड के कारण जाम की स्थिति बनी रही जिसके चलते लोगों को परेशानियों का सामना करना पडा। बाजारों में भी खरीददारी के चलते लोगों की अच्छी खासी भीड नजर आई। गुरुवार को होली के त्यौहार पर बाजारों में भारी भीड के चलते जाम की स्थिति पैदा हो गयी। लोग अपने-अपने वाहनों पर सवार होकर घरों से बाजारों में खरीददारी के लिए निकले जिसके चलते शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। शहर के फव्वारा चौंक, वीवी इंटर कालेज रोड, हनुमान रोड, सुभाष चौंक, भिक्की मोड पर जाम के हालात बने रहे। जाम के कारण वाहन चालकों को निकलने का रास्ता नहीं मिल पाया वहीं पैदल चलने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पडा। दूसरी ओर बाजारों में खरीददारी के चलते लोगों की भारी भीड रही। होली से संबंधित दुकानों पर भी जमकर खरीददारी की गयी। भीड के कारण लोगों को निकलने का रास्ता नहीं मिल पाया। जगह-जगह तैनात पुलिसकर्मी भी जाम खुलवाने में मशक्कत करते नजर आए। देर शाम तक बाजारों में भीड रही।

होली के दिन भाई बना भाई का दुश्मन, पिटाई का वीडियो वायरल

छोटे भाई ने बड़े भाई की पिटाई की, पीडित ने चौकी पहुंचकर पुलिस से की कार्रवाई की मांग

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। क्षेत्र के नाइनगला जाटान गांव में होली के दिन एक ऐसा मामला सामने आया जिसने त्योहार की खुशियों को गम में बदल दिया। जहां पूरे देश में होली के रंग और उमंग में लोग सराबोर थे, वहीं इस गांव में दो सगे भाइयों के बीच हुए झगड़े ने हर किसी को हैरान कर दिया। छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की सरेआम पिटाई कर दी, और इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रंगों के त्योहार होली को भाईचारे और मेल-मिलाप का पर्व माना जाता है, लेकिन नाइनगला जाटान में यह दिन उल्टी दिशा में चला गया। पीड़ित प्रविंदर ने चौसाना चौकी पर जाकर शिकायत दर्ज कराई और अपने छोटे भाई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उसने बताया कि छोटे भाई ने किसी पुरानी रंजिश के चलते उस पर हमला कर दिया और बेरहमी से पीटा। गांववालों के अनुसार, दोनों भाइयों के बीच पहले भी कुछ विवाद चल रहा था, लेकिन किसी ने यह नहीं सोचा था कि होली के दिन यह झगड़ा इस हद तक बढ़ जाएगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विवाद अचानक शुरू हुआ और छोटे भाई ने गुस्से में आकर बड़े भाई को धक्का देकर गिरा दिया और लाठी-डंडों से मारने लगा। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव किया, लेकिन तब तक प्रविंदर को चोटें आ चुकी थीं।

वीडियो वायरल, पुलिस से कार्रवाई की मांग

मारपीट का यह वीडियो किसी ने मोबाइल से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि छोटे भाई का गुस्सा कितना भयानक था। इस घटना के बाद पीड़ित प्रविंदर ने चौसाना चौकी पहुंचकर तहरीर दी और कानूनी कार्रवाई की मांग की। चौकी प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

झिंझाना पुलिस द्वारा 1 चोर गिरफ्तार, सामान व नगदी बरामद

शामली। झिंझाना पुलिस ने ट्यूबवैल के कमरे का ताला तोडकर चोरी करने वाले एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोर के कब्जे से ट्यूबवेल से चोरी किया हुआ सामान व नगदी बरामद किया है। गांव पठानपुरा निवासी मनीष सैनी पुत्र दर्शन लाल ने खेत में स्थित ट्यूबवेल के कमरे का ताला तोडकर सामान चोरी करने के सम्बन्ध में अज्ञात चोरों के विरुद्ध थाना झिंझाना पर तहरीर दाखिल की थी। थाना झिंझाना पुलिस द्वारा 1 चोर को टयूबवैल से चोरी किये गये सामान व 600 रुपये की नगदी सहित गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है। पूछताछ में चोर ने अपना नाम आसिफ पुत्र इलियास निवासी मुंडेट खादर थानाभवन बताया।

संक्षेप समाचार :

रमजान के दूसरे जुमे के दिन होली के त्यौहार पड़ने पर पुलिस ने किया कस्बे में पैदल मार्च

झिंझाना। पवित्र रमजान उल मुबारक तथा होली के त्यौहार के मध्य नजर स्थानीय पुलिस ने कस्बे में पैदल मार्च किया। पैदल मार्च के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली तथा चेतावनी देकर छोड़ दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार शर्मा तथा कस्बा इंचार्ज राघवेंद्र ने अन्य पुलिस बल के साथ जुमे के दिन पड़ रहे होली के त्यौहार व रमजान के मध्य नजर कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय पुलिस फोर्स के साथ कस्बे के मुख्य बाजार, मैन बस अड्डा, बिडौली बस स्टैंड तथा डेयरी चौक से होते हुए पैदल मार्च किया। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की तलाशी ली तथा कुछ युवकों को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

दुल्हैंडी के लिए तैयार युवा, बच्चों में भी उत्साह

बच्चों ने रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की खरीददारी की, शहर मस्ती के रंग में डूबा

एनपीटी संवाददाता

शामली। होलिका पर्व के शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद शुक्रवार को दुल्हैंडी का पर्व पूरे उल्लास से मनाया जाएगा। पर्व को लेकर युवाओं व बच्चों ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है। बच्चों ने रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की खरीददारी कर ली है। पूरा शहर मस्ती के रंग में डूबा हुआ है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को रंगों का त्यौहार दुल्हैंडी का पर्व पूरे हर्षोल्लास व उत्साह से मनाया जाएगा जिसके लिए युवाओं व बच्चों ने भी अपनी तैयारी कर ली है, बच्चों व युवाओं ने रंग गुलाल, पिचकारियां, गुब्बारों की खरीद कर ली है। वहीं महिलाएं भी दुल्हैंडी के पर्व पर विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाने की तैयारी में जुटी हैं। महिलाओं का कहना है कि वे घर में रहकर होली पर बनाए जाने वाले कई प्रकार के व्यंजन तैयार करेंगी, रिश्तेदार होली मनाने घर आते हैं तो उनके नाश्ते आदि के प्रबंध तो करने होंगे। वहीं युवाओं का कहना है कि उन्होंने दुल्हैंडी के पर्व को पूरे उत्साह से मनाने का फैसला किया है जिसके लिए उन्होंने अपने यार दोस्तों को होली की दावत दी है। दूसरी ओर रविवार को बाजारों में दुकानों पर जमकर खरीददारी की गयी, भारी भीड देखकर दुकानदारों के चेहरों पर भी मुस्कान दिखाई दी। इस बार होली पर चीनी आइटम न के बराबर है और देशी कंपनियों की बल्ले-बल्ले हो रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि देशी आइटमों की हाथों हाथ बिक्री हो रही है, हालांकि देशी आइटम कुछ महंगे जरूर हैं लेकिन उनकी गारंटी मिलती है, व्यापारी मनीष गर्ग ने बताया कि उनके यहां एक दर्जन गुलाल वाले सिलेंडर आए थे जो सारे बिक गए, बच्चे उनसे सिलेंडरों की मांग कर रहे हैं। कई बडी पिचकारियां भी खरीदी जा रही हैं। रंग गुलाल की बिक्री भी बढी है लोगों की मांग पर उन्होंने अपने यहां हर्बल गुलाल के पैकेट मंगाए हैं जिन्हें खरीदने के लिए लोग आ रहे हैं, राजस्थानी टोपी की मांग भी बढी है, वे 50 टोपियां लेकर आए थे जो सारी की सारी बिक चुकी है।

एंबुलेंस को हॉटस्पॉट में रखने के दिए निर्देश

कांधला। कस्बे के सरकारी अस्पताल पर तैनात एंबुलेंस का जनपद से आई टीम ने रखरखाव एवं व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने एंबुलेंस के कर्मचारियों के साथ होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन करते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाया और मिठाई वितरित की इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे। बृहस्पतिवार को जिला प्रबंधन अधिकारी जयविंद्र सिंह बसोया, एवं जिला प्रभारी ललित मोहन जोशी सहित जनपद से आई एंबुलेंस की टीम ने कस्बे के सरकारी अस्पताल पर तैनात एंबुलेंस के रखरखाव एवं व्यवस्था का निरीक्षण किया। जनपदीय टीम ने एंबुलेंस में फिटनेस, ऑक्सीजन, दवाई, सहित आदि व्यवस्था का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि होली पर्व एवं रमजान माह के अवसर पर पूर्ण रूप से अलर्ट रहे।

सामाजिक व व्यापारी संगठनों ने धूमधाम से मनाया होली का त्यौहार

सभी सदस्यों ने एक दूसरे को दी होली की शुभकामनाएं, फूलों से खेली गयी होली

एनपीटी संवाददाता

शामली। राष्ट्र सेविका समिति द्वारा सरस्वती बालिका विद्या मंदिर कालेज में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन की महिलाओं द्वारा एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीनू संगल ने की। मुख्य अतिथि राजीव कुमार प्रधानाचार्य अजीत सिंह सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज अम्बेहटा सहारनपुर रहे। इस अवसर पर रामपाल, समिति की सह जिला कार्यवाहिका अनुपमा, नरोत्तम, मुकेश, कुसुम, बबीता, संजना, मोनिका, रूबी, प्रियांशी आदि भी मौजूद रहे। वहीं रोटरी क्लब शामली द्वारा एक बैंकेट हाल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर अंकुर आर्य, निखिल ऐरन, अमित अरोडा, आकाश गुप्ता, नितिन गर्ग, अनिवेश, मोहित बंसल, विशाल ऐरन, राघव गर्ग, रजत गर्ग, मयंक अनंत, सायम जैन, गौरव, रोहित बग्गा आदि भी मौजूद रहे। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल द्वारा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष लोकेश अग्रवाल रहे। इस अवसर पर राधा-कृष्ण की झांकी भी प्रस्तुति की गयी जिसमें सभी ने फूलों से होली खेली। सभी सदस्यों ने एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेन्द्र गोयल ने की। इस अवसर पर अजय संगल, अजय चौधरी, वैभव प्रकाश गोयल, डा. अर्जुन वर्मा, राजकुमार वर्मा, पीयूष वर्मा, आकाश गुप्ता, अंकित जैन, बालेश कुमार, विकास वर्मा, अनुज सोनी, नीरज वशिष्ठ, प्रमोद तोमर, अमित जिंदल, प्रतीक गर्ग, राहुल वर्मा, अनुज कुमार, अमित कुच्छल, अमित गोयल, रोहित, सुनील बालियान, अंकुर सिंघल आदि भी मौजूद रहे। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज में होली का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। छात्राओं ने हर्बल रंगों से होली खेली। प्रधानाचार्य रविन्द्र कुमार ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर संजीव कुमार, संदीप, रवि, अमित, मोहित, विकास, राहुल, धर्मेन्द्र, गीता, कविता, अनिता, सुरभि, वंदना, रानी, आकांक्षा, मोनिका, रेनू, साक्षी, पंकज आदि भी मौजूद रहे।

चौसानाः होली और जुम्मे पर भाईचारे की मिसाल, हिंदू-मुस्लिम ने मिलकर खेली होली

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। चौसाना और पठानपुरा में इस बार होली का रंग कुछ अलग ही था। जहां एक ओर हिंदू समुदाय रंगों के इस त्योहार को पूरे उत्साह से मना रहा था, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम समुदाय के लिए यह जुम्मे का पावन दिन था। इस संयोग के बीच दोनों समुदायों ने जो मिसाल पेश की, उसने गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत तस्वीर पेश कर दी।

चौसाना के लोगों ने यह साबित कर दिया कि त्योहार केवल रंगों और खुशियों का नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे और एकता का प्रतीक होते हैं। होली के मौके पर हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग एकजुट होकर रंगों की इस खुशी में शामिल हुए। संदीप, सावन, अश्वनी पाल, सुनील कश्यप, राव इखलाक, राव गय्यूर, इस्तकार मलिक, हसनैन राणा, विश्वास मिस्त्री समेत अन्य कई लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया और गले मिलकर होली की शुभकामनाएं दीं। स्थानीय प्रशासन भी इस सांप्रदायिक सौहार्द को देखकर बेहद खुश था। उन्होंने कहा कि जिस तरह दोनों समुदायों ने आपसी प्रेम और भाईचारे को महत्व दिया है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। पठानपुरा में

भाईचारा कमेटी के सदस्यों ने भी आपसी प्रेम और सौहार्द को बनाए रखने के लिए एक बेहतरीन पहल की। कमेटी के सदस्य राजू सैनी, वीर सिंह, गुरुमुख सिंह (प्रधान लक्ष्मीपुरा), विनोद सैनी, सरवन दथेडा, राजेंद्र खोडसमा, धीर सिंह दथेडा, हसन प्रधान (जिजौला), बिट्टू सरपंच, सरदार अमृतवीर सिंह बगगू, मुजम्मिल राणा, बाबर राणा, इंतिजार मलिक, कदीर, इमरान राणा समेत अन्य गणमान्य लोग इस पहल का हिस्सा बने। उन्होंने हिंदू भाइयों को होली की शुभकामनाएं दीं और गुलाल भेंट कर इस पावन अवसर को खास बना दिया। साथ ही, उन्होंने यह संदेश दिया कि चाहे होली हो, रमजान हो या ईद-उल-फितर, सभी त्योहार हमें प्रेम, एकता और सौहार्द का पाठ पढ़ाते हैं। इन दोनों गांवों की यह अनोखी पहल समाज के लिए एक प्रेरणा है। जिस दौर में छोटी-छोटी बातों पर समाज में दूरी पैदा करने की कोशिश की जाती है, वहीं चौसाना और पठानपुरा के लोगों ने दिखा दिया कि अगर इंसानियत और भाईचारे की भावना मजबूत हो, तो कोई भी दीवार हमें अलग नहीं कर सकती। स्थानीय प्रशासन और समाजसेवियों ने इस पहल की सराहना की और उम्मीद जताई कि यह सद्भाव भविष्य में भी बना रहेगा। इन दोनों गांवों की यह मिसाल पूरे देश के लिए एक संदेश है कि त्योहारों का असली मकसद केवल जश्न नहीं, बल्कि लोगों को करीब लाना होता है। चौसाना और पठानपुरा के इस भाईचारे ने यह साबित कर दिया कि हिंदू-मुस्लिम एकता सिर्फ किताबों में लिखी बात नहीं, बल्कि जमीन पर भी उतारी जा सकती है।

होलिका पर महिलाओं ने बच्चों संग पहुंचकर की पूजा अर्चना

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। होली पर्व पर चौसाना क्षेत्र में सभी गांव व गली-मौहल्लों में लोगों द्वारा लगाई गई होलिका पर महिलाओं ने बच्चों संग पहुंचकर सुबह से शाम तक पूजा अर्चना की। इस अवसर पर महिलाओं ने पुत्र की दीघार्यु के लिये होली की परिक्रमा कर धूप-दीप जलाकर फल-फूल, जल अर्पित करते हुए पूजा अर्चना की। जनपद के कस्बों व देहात क्षेत्रों में भी महिलाओं, बच्चों ने होलिका स्थल पर पहुंचकर पूजा अर्चना की। चौसाना क्षेत्र में सभी गांवों में गली-मौहल्ले व चौराहों आदि पर पर विशाल होली बनाई गई। होलिका पर लोगों ने गाय के गोबर से बने उपले, लकड़ियां व अन्य सामग्री लगाकर ऊंची होलिका तैयार की । इन सभी होली पूजन स्थानों पर महिलाओं ने प्रातरू स्नानादि कर बच्चों को भी स्नान आदि करा साफ व नए कपड़े पहनाकर और उनके गले में होली हार पहनाया। होली हार को छुआरे, मखाने, गोला, मिठाई के बताशे आदि को धागे में पिरो कर बनाया गया है। महिलाओं अपने बच्चों को होली हार पहनाया और पुत्र की दीघार्यु व परिवार की खुशहाली के लिए पूजा अर्चना की।

रंजिश में मारपीट कर घायल करने का आरोप

कांधला। बृहस्पतिवार को नगर के मोहल्ला गुजरान निवासी अनीश पुत्री इकराम ने बताया कि मोहल्ले का एक युवक पीड़ित से रंजिश रखता है, वह मोहल्ले से गुजर रहा था आरोप है कि तभी रंजिश के चलते मोहल्ले के युवक ने पीड़ित को रोक लिया और उसके साथ गाली गलौज करने लगा। जब पीड़ित ने आरोपी का विरोध किया तो आरोपी ने नीचे गिरकर जमकर लात घुसो से मारपीट कर पीड़ित को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

आवश्यकता है

दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना चौसाना बिडौली गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें

आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
9082190000,9997173786

पोते के जन्म पर पूर्व फौजी ने बांटे कंबल, जरूरतमंदों से लिया आशीर्वाद

एनपीटी संवाददाता

चौसाना। क्षेत्र के गांव खोडसमा में इंसानियत और सेवा की मिसाल पेश करते हुए खोडसमा गांव के रिटायर्ड फौजी अशोक कुमार ने अपने पोते के जन्म की खुशी जरूरतमंदों के साथ साझा की। अशोक कुमार, जो मास्टर रामप्रकाश के पुत्र हैं, ने गांव में 55 जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर उनका आशीर्वाद लिया। अशोक कुमार अपने पोते के जन्म से बेहद उत्साहित थे और उन्होंने समाजसेवा से जोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने कहा, यह खुशी सिर्फ हमारे परिवार की नहीं, बल्कि पूरे गांव की है। मुझे समाज के लिए कुछ करने का अवसर मिला, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। गांव के लोगों ने अशोक कुमार की इस पहल की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया। ग्रामीणों का कहना था कि खुशी के अवसरों पर जरूरतमंदों की मदद करने से सच्ची संतुष्टि मिलती है।कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी। उन्होंने अशोक कुमार और उनके परिवार के लिए मंगलकामनाएं दीं। एक बुजुर्ग महिला ने कहा, ठंड के मौसम में यह कंबल किसी वरदान से कम नहीं। ईश्वर इनके परिवार को सुख-समृद्धि दे। अशोक कुमार ने बताया कि वे हमेशा समाजसेवा से जुड़े रहना चाहते हैं और आगे भी ऐसे कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा, फौज में रहते हुए मैंने देश की सेवा की, अब समाज की सेवा मेरा कर्तव्य है।

होली त्यौहार को ले चप्पे-चप्पे में है पुलिस की तैनाती,

शान्तिपूर्ण माहौल में आपसी भाईचारे के साथ मनाये होली त्यौहार

डीसी - एसपी ने बाइक ड्राइव कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), रंगों त्यौहार होली पर्व को शान्तिपूर्ण माहौल में मनाते जाने को ले उपायुक्त मनीष कुमार व एसपी प्रभात कुमार ने काफी सुरक्षा बलों के साथ पाकुड़ समाहरणालय से शुरूआत करते हुए पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र समेत पाकुड़ मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान डीसी - एसपी ने बाइक ड्राइव कर हर चौक-चौराहों अन्य सेंसिटिव एरिया का जायजा भी लिया। साथ ही विधि व्यवस्था संध्यानार्थ में हर एक पहलुओं पर बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस के द्वारा हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही थी। वही उपायुक्त मनीष कुमार ने जिला वासियों को मीडिया के माध्यम से जिला वासियों को पावन होली त्यौहार की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए शान्तिपूर्ण माहौल में आपसी भाईचारे के साथ रंगों की त्यौहार होली पर्व मनाने की अपील की। इसके अलावे उपायुक्त मनीष कुमार ने इमरजेंसी वाहन/ व्हीकल को किसी

भी प्रकार की डिस्टर्ब ना हो, जिसके लिए भी आम जनों से सहयोग की अपील की है। साथ ही उन्होंने स्पेसिफिक /सेंसिटिव एरिया पर पैनी नजर रखने की भी इशारा किया। उपायुक्त ने जेएसएलपीएस के दीदियों के द्वारा बनाये गये उचित मूल्य के उम्दा किस्म के गुलाल/ रंगों को खरीदने की अपील भी की। उन्होंने जिलावासियों को पुनः आगामी होली पर्व, सरहुल व ईद त्यौहार की हार्दिक शुभकामनाएं दी। वही पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मीडियम के माध्यम से रंगों की त्यौहार होली पर्व की जिला वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए बताया कि होली पर्व को ले आवश्यक तैयारी कर ली गई है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए हर जरूरी कदम उठाए गये हैं। कहा हर चौक- चौराहों और सेंसिटिव एरिया में पुलिस बल/सुरक्षा बलों के साथ मैजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी गई है, जहां हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने लोगों को अपने परिजनों एवं दोस्तों के साथ हर्षोल्लाह के साथ घरों में ही होली पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि नशे की हालत में पाए जाने पर उन पर सख्त कारवाई की जायेगी। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने अपील करते हुए कहा की ड्रिंक एंड ड्रंक कर बाइक ना चलाये या कोई अप्रिय घटना को अंजाम न दे, जिसके कारण आपके परिवार परेशानी में मुब्तिला हो।

उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि किसी भी प्रकार की कोई ऐसी अप्रिय घटना या गतिविधि ना करे, जिससे मजबूरन उन पर एक्शन लेना पड़े। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय गतिविधि की इशू देखी जा रही है या संदिग्ध गतिविधि पाए जाते हैं तो 112 डायल नंबर में सूचना दे, सूचना देने वालों के नाम शत- प्रतिशत गोपनीय रखी जायेगी, असमाजिक तत्वों या अप्रिय इंसिडेंट की इशू करने वाले पर कड़ी कारवाई की जायेगी। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि बाहर से भी काफी सुरक्षा बल मांगा गया है, जिन्हें जिले के हर जरूरी स्थानों पर तैनाती कर दी गई है। साथ ही आज पूरे जिले भर में फ्लैग मार्च निकाला गया है।

देवघर एयरपोर्ट से पटना और रांची की उड़ान सेवाएं

एनपीटी, झारखण्ड राज्य के देवघर से पटना और देवघर से रांची के बीच उड़ना सेवाओं को अब बंद कर दिया गया है। इसके पीछे वजह बताई जा रही है कि पैसेंजर का नहीं मिलना। बता दें कि भारत सरकार की रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत उड़ान में एनटीआर की सेवा शुरू हुई थी। यह उड़ान सेवा एयरपोर्ट के शुभारम्भ के दिन ही यानी 12 जुलाई 2022 को शुरू हुई थी। सरकार तीन साल तक जहाज चलाने के लिए प्रोत्साहित करती है, अनुदान देती है, ताकि छोटे शहर को बड़े शहर से जोड़ा जा सके।

बता दे कि पटना और रांची का किराया दो हजार के आसपास रहा। लेकिन 76 सीटर एटीआर में इंडिगो को पूरे तरीके से यात्री नहीं मिल रहे थे। यही वजह रही कि एक मार्च से देवघर से पटना और देवघर से रांची के बीच की उड़ान सेवा को बंद करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट में आई जानकारी के मुताबिक इसकी जानकारी देवघर एयरपोर्ट मैनेजर ने दी है। उन्होंने बताया कि सीट के हिसाब से यात्री नहीं मिल रहे थे। दूसरा ये कि आरसीएस की अवधि पूरी हो गई थी। अब केवल कोलकाता देवघर के बीच उड़ान सेवा है। यहां यात्री रेगुलर मिल रहे हैं।

खान सुरक्षा पैमाने पर खड़ा उतरने हेतु PSPCL कम्पानी को मिला पुरस्कार

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीते 12 मार्च को धनबाद के झरिया स्थित दिघबाडीह के टाटा फुटबॉल मैदान में वार्षिकी खान सुरक्षा पखवारा का समापन समोराह आयोजित कर खान सुरक्षा पैमाने पर खड़ा उतरने वाले कम्पानियों को खान सुरक्षा महानिदेशालय धनबाद के महानिदेशक उज्वल ता के द्वारा विजेताओं के बीच पुरुस्कार व प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया। इस अवसर पर पाकुड जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में स्थित पंजाब स्टेट पावर कॉपोरेशन लिमिटेड (PSPCL) पछुवारा सेंट्रल कोल ब्लॉक परियोजना को ग्रुप 'उ' कैटगरी

में ओवरऑल द्वितीय पुरुस्कार दिया गया। PSPCL को मिला पुरुस्कार में पिट जियोमेट्रिक, एक्सप्लोसिव एंड ब्लास्टिंग और इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन व अन्य कैटगरी में द्वितीय पुरुस्कार PSPCL के माइंस एजेंट राकेश कुमार सिंह व उ्इछ के सीनियर ऋ्ट परमानंद सिंह चंदेल को खान सुरक्षा महानिदेशक द्वारा किया गया। इस अवसर पर PSPCL के माइंस मैनेजर कृष्ण कांत सिंह , सेफ्टी ऑफिसर अर्नोल्ड एवं DBL के अऋ्ट सर्वे आशीष कुमार झा, इलेक्ट्रिक सिनियर मैनेजर मोहम्मद नौशाद, भावेश दिवाकर, अमन कुमार, नृपेंद्र कुमार सिंह एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

पचुवाड़ा नॉर्थ कोल माइंस ने वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा में जीता ओवरऑल विजेता का पुरस्कार

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), खान सुरक्षा महानिदेशालय (सेंट्रल जोन) के तत्वाधान में आयोजित वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का समापन बुधवार को धनबाद स्थित टाटा के डिगवाडीह फुटबॉल ग्राउंड में हु। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर खान सुरक्षा महानिदेशालय के महानिदेशक उज्ज्वल ता थे। कार्यक्रम का प्रारम्भ सुरक्षा झंडे का झंडोत्तोलन कर किया गय। जिसके पश्चात विभिन्न खदानों द्वारा लगाए गये स्टॉल का निरीक्षण अतिथियों ने किया। उसके पश्चात दीप प्रज्वलन तथा राष्ट्रीय गान के बाद खनन क्षेत्र में शहीद हुए दिवंगत आत्माओं के लिए मौन रखा गया। कार्यक्रम में पचुवाड़ा नॉर्थ कोल माइंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए लगभग नौ पुरस्कार हासिल किया और ग्रुप सी में शामिल सभी खदानों में ओवरऑल विजेता का पुरस्कार भी हासिल किया। पुरस्कार में पीट ज्योमेट्री, ओवरऑल सेफ्टी, एच ई एम एम में प्रथम पुरस्कार , इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन में द्वितीय पुरस्कार तथा ट्रेड टेस्ट में तीन द्वितीय और एक प्रथम पुरस्कार खदान को प्राप्त हुआ जिससे खदान के सभी लोगों में भरपूर उत्साह और उत्सव का माहौल देखने को मिला। मौके पर बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता, डीटी संजय कुमार सिंह , डब्लूबीपीडीसीएल के डायरेक्टर टेक्निकल माइनिंग चंचल गोस्वामी व अन्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। और पचुवाड़ा नॉर्थ कोल माइंस से आलोक नाथ, रामाशीष चटर्जी (जीएम), महेश कुमार, देवाशीष भुई,कुमार राजशेखर,विनोद बल्कि, शायन रहमान, अभिलाष कुमार पियूष व अन्य मौजूद थे। तथा बीजीआर की ओर से मोहन रेड्डी, जोसफ, सुब्बा रेड्डी, गुरु महेश , अर्जुन कुमार, बबलू कुमार व अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन टाटा स्टील व सेल ने संयुक्त रूप से किया ।

झामुमो जिलाध्यक्ष पहुंचे महेशपुर, कार्यकर्ताओ ने किया जोरदार स्वागत, दिया कई दिशा-निर्देश

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), झामुमो प्रखण्ड कार्यालय महेशपुर में गुरुवार को झामुमो जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम,जिला सचिव माइकल मुर्मू पहुंचे । जहां उनके पहुंचने से पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ ने फूल माला पहनाकर जोरदार तरीके से स्वागत किया। वही सबसे पहले झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अनारूद्दीन मियां, एनामुल हक समेत अन्य के द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिला सचिव माइकल मुर्मू को मैनुद्दीन अंसारी ने माला पहनाकर स्वागत किया। साथ ही पूर्व केन्द्रीय समिति सदस्य पिंकु शेख को लाल मुहम्मद अंसारी ने माला पहनाकर स्वागत किया।जिलाध्यक्ष एजाजुल इस्लाम ने सभी कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही पार्टी के प्रति निष्ठावान रहने के साथ-साथ बेहतर कार्य करने के लिए दिशा-निर्देश गया। इस मौके पर झामुमो के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे

कालाजार से बचाव, आगामी आइआरएस एवं द्वितीय चक्र एसीडी हेतु आयोजित हुई कार्यशाला

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को आगामी आईआरएस एवं द्वितीय चक्र एसीडी के लिए सभी एफडब्ल्यू, एसएफडब्ल्यू कालाजार से प्रभावित गांव की सहिया के साथ एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जैसे हम लोग निर्वाचन एवं एमडीए में प्रथम स्थान प्राप्त किये उसी प्रकार हमलोगों को कालाजार विलोपन में भी प्रथम स्थान प्राप्त करना है। उपायुक्त ने बताया कि कीटनाशक छिड़काव तकनीकी रूप से करने से कालाजार रोग 80 प्रतिशत तक खत्म किया जा सकता है। इसलिए सभी अपने अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुए सही ढंग से एसपी 5 प्रतिशत का छिड़काव सभी घरों गोहाल, बरामदा आदि में पूर्ण रूपेण करें ताकि बालू मक्खी खत्म हो और हम अपने पाकुड़ जिला को कालाजार मुक्त घोषित करे। इस प्रशिक्षण में सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला भीबीडी पदाधिकारी पाकुड़, सभी प्रखंड से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, एमटीएस के टीएस, एसआई उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट समावेश के तहत अब मतदाता सूची में जुड़ेंगे गृह विहिन- डीसी

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ (झा०खं०), मतदाता सूची के समावेशी निर्माण हेत गुरुवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट समावेश की शुरूआत की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि प्रोजेक्ट समावेश का उद्देश्य आदिम जनजाति समुदाय, दिव्यांग समुदाय, थर्ड जेंडर के लोग और गृह विहीन जैसे मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना है। इस क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा दिव्यांग और पहाड़िया समुदाय के मतदाताओं को सम्मानित किया गया।

साथ ही समावेशी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। मौके पर अपर समाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़, अंचलाधिकारी पाकुड़, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं बूथ लेवल ऑफिसर उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा बताया गया कि मुख्य मतदाता सूची पदाधिकारियों की नई दिल्ली में 04 एवं 05 मार्च को राष्ट्रीय स्तरीय बैठक आयोजित हुई थी, जिसमें झारखण्ड से एकमात्र जिला निर्वाचन पदाधिकारी पाकुड़ के रूप में उपस्थित थे। उक्त बैठक के क्रम में मिली जानकारी एवं निदेशों से भी आपको अवगत कराया जाना है, क्योंकि आयोग द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया के लिए चिहिन्त 28 स्टेकहोल्डर में से आपलोग भी एक हैं। आयोग द्वारा यह भी प्रयास किया जा रहा है कि निर्वाचन एवं निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सभी प्रकार के नियम, विनियम और अधिनियमों को एक साथ समेकित कर लिया जाय। किसी भी तरह के अनसुझे मुद्दे के लिए राजनीतिक दलो से आयोग द्वारा 30 अप्रैल 2025 तक सुझाव की भी मांग की गई है। अनुरोध किया गया कि यदि पाकुड़ जिला से संबंधित कोई मामला है तो उसे संज्ञान में लाया जाय, ताकि नियमानुसार कार्रवाई की जा सके। इस संबंध में राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि पाकुड़ जिला में इस तरह का कोई भी मामला नहीं है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि इस साल विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम नहीं होना है पर कंटीन्यूअस अपडेशन का कार्य चलता रहेगा। पिछले साल निर्वाचन के कारण युद्ध स्तर पर कार्य किया गया था। यद्यपि मतदाता सूची के संबंध में शुद्धतापूर्वक कार्य करने का प्रयास किया गया था, परन्तु परिशुद्धता और संपूर्णता की अभी संभावना है, इसलिए इस साल हमलोग पर्याप्त समय देकर बारीकी से मतदाता सूची पर कार्य करने वाले है। अन्य सभी तथ्यों के अलावा इस वर्ष हमलोग हाशिये पर के समूहों खासकर पीवीटीजी, गृहविहीन परिवार, दिव्यांग, बर्ड जेंडर पर विशेष फोकस कर रहे हैं। इसके साथ ही सभी सुयोग्य युवा मतदाताओं के भी सम्पूर्ण समावेशन पर जोर दिया जा रहा है। इन कार्य में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अनुरोध किया गया कि छूटे हुए लोगो का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए प्रपत्र-6 तथा मृत व्यक्ति का नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7 भरवाने हेतु लोगो को प्रेरित करें। साथ ही मतदाता सूची में उपलब्ध ब्लैक एंड व्हाइट फोटो या अस्पष्ट फोटो वाले मतदाता पहचान पत्र को प्रपत्र-8 भरवाया जाय। इस कार्य में बीएलओ को भी सहयोग दिया जाय।

नवनियुक्त झामुमो पंचायत पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़ जिले के पाकुडिया प्रखण्ड के सिद्धो कान्हु चौक स्थित झामुमो पार्टी कार्यालय में गुरुवार को नवनियुक्त पंचायत पदाधिकारियों के स्वागत को लेकर प्रखण्ड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा के अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप मे महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे तथा केन्द्रीय कमेटी सदस्य? देबीलाल हांसदाक सहित प्रखंड पदाधिकारी तथा पंचायत के अध्यक्ष व सचिव और कोषाध्यक्ष मौजुद थे। बैठक में मुख्य अतिथि एवं पार्टी पदाधिकारियों द्वारा? नवगठित झामुमो पार्टी के पंचायत पदाधिकारी और सदस्यों को बारी-बारी से माला पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक प्रो.स्टीफन मरांडी ने नवनियुक्त पंचायत पदाधिकारियों को क्षेत्र में मन लगा कर ईमानदारी पूर्व?क पार्टी? के लिए? काम करने

को कहा। तथा राज्य की हेमन्त सोरेन सरकार द्वारा? जो जनकल्याण?कारी योजनायें चलायी जा रही है, उसे लोगों? के बीच साझा करने का निर्देश दिया, ताकि उसका लाभ आम जन को मिल सके। जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे तथा केन्द्रीय कमेटी सदस्य देबीलाल हांसदाक ने संगठन? को लेकर चर्चा किया। उन्होंने संगठन? को और ज्यादा? मजबूत? करने की बात कार्यकर्ता?ओं से कहा, ताकि आने वाले समय में अधिक से अधिक कार्यकर्ता? झामुमो पार्टी? से जुड़े? । मौके पर प्रखण्ड सचिव मईनुद्दीन अंसारी, सांसद पप्रतिनिधि खुरशेद आलम,उपाध्यक्ष निवारण मरांडी, कोषाध्यक्ष कालिदास टुडू , उपाध्यक्ष मंजर आलम ,मेहलाईल अंसारी, छोटू भगत ,मनेजार मरांडी,रेफाईल मुर्मू,सुबाषिनी मुर्मू,नेगार अंसारी, लालबाबू अंसारी ,कुबराज मरांडी, मुसारफ हुसैन ,मुनीराम मरांडी, लालबाबू शेख, मंटू भगत ,जयफुल अंसारी,अजीमुद्दीन अंसारी, परमेश्वर मरांडी, मोईन आलम, अकबर अली ,तोहिदुल शेख, मंजूर अंसारी, सिकंदर अली ,ऐनोस मुर्मू,विनोद भगत,नरेश हाँसदा सहित सभी पंचायत के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष तथा अन्य कार्यकर्ता? उपस्थित? थे।

उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स का होली मिलन समारोह संपन्न

एनपीटी ब्यूरो.

मेरठ। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) द्वारा वेंकटेश्वर स्कूल, साकेत में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य व्यक्तियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में मेरठ कैंट विधायक अमित अग्रवाल, सूचना आयुक्त राजेंद्र सिंह, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, भाजपा नेता आलोक सिसोदिया, नवीन अरोड़ा, भाजपा मंडल अध्यक्ष ललित मोरल, कवि ईश्वर चंद गंभीर, सुदेश यादव 'दिव्या', राजीव शर्मा सहित अन्य प्रमुख कवि एवं मीडिया क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे।

समारोह की सफलता में उपज के जिला अध्यक्ष अजय चौधरी का विशेष योगदान रहा। साथ ही, ललित ठाकुर, विश्वास राणा (हैप्पी भाई), राजू शर्मा, पवन शर्मा, नकुल चतुर्वेर्दी, लियाकत मंसूरी, दीपक वर्मा, राहुल राणा, विकास गुप्ता, जयवीर त्यागी, रवि गौतम, सचिन कश्यप, गौरव सैनी, अखिल गौतम, शाहिद खान और अमित तोमर ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वरिष्ठ पत्रकार विनोद गोस्वामी, अशोक गोस्वामी और सलीम खान की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। वहीं, कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने मीडिया की समाज में भूमिका, उसकी उपयोगिता और जनहित में निष्पक्ष पत्रकारिता के महत्व पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज को दिशा देने और जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम है।

कार्यक्रम का समापन होली गीतों और पारंपरिक अंदाज में रंग-गुलाल के साथ हुआ, जिससे पूरा माहौल उल्लासपूर्ण और सौहार्दमय बन गया। यह आयोजन संगठन के सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल और सौहार्द को बढ़ावा देने का उत्कृष्ट अवसर साबित हुआ।

यूपी पुलिस में चयनित होने पर लग रहा है जैसे कोई सपना देख रहा हूं। देश की सेवा करने की बचपन से ही ठान ली थी। इस सफलता में माता पिता,गुरु के साथ ही ग्राम पाठशाला का काफी सहयोग है। - विवके नागरग्राम पाठशाला का सफलता में काफी योगदान रहा है। पुस्तकालय में पढ़ने से ही उनका सपना पूरा हुआ है। होली में दीपावली बनाने

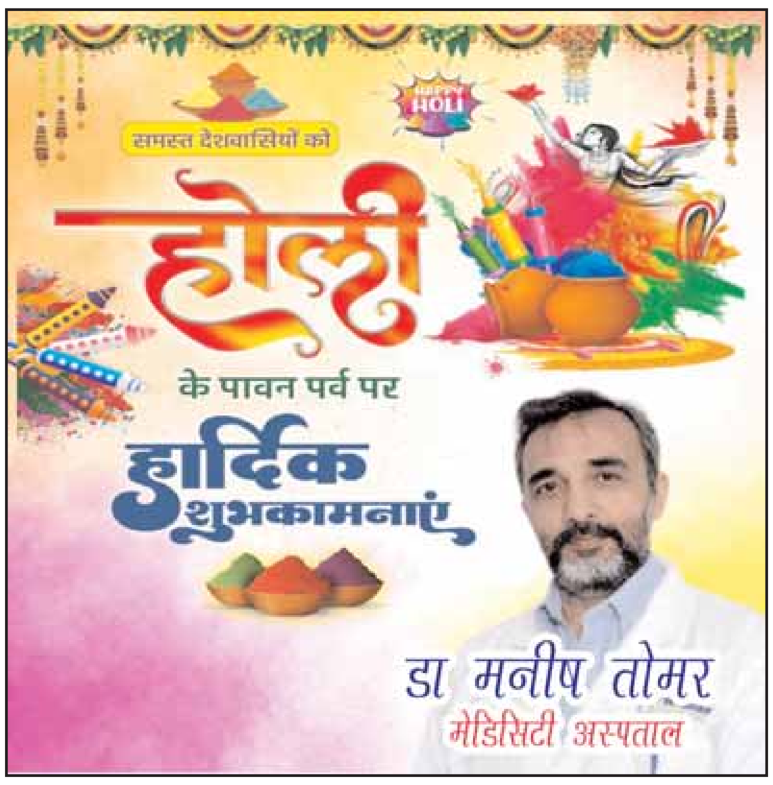

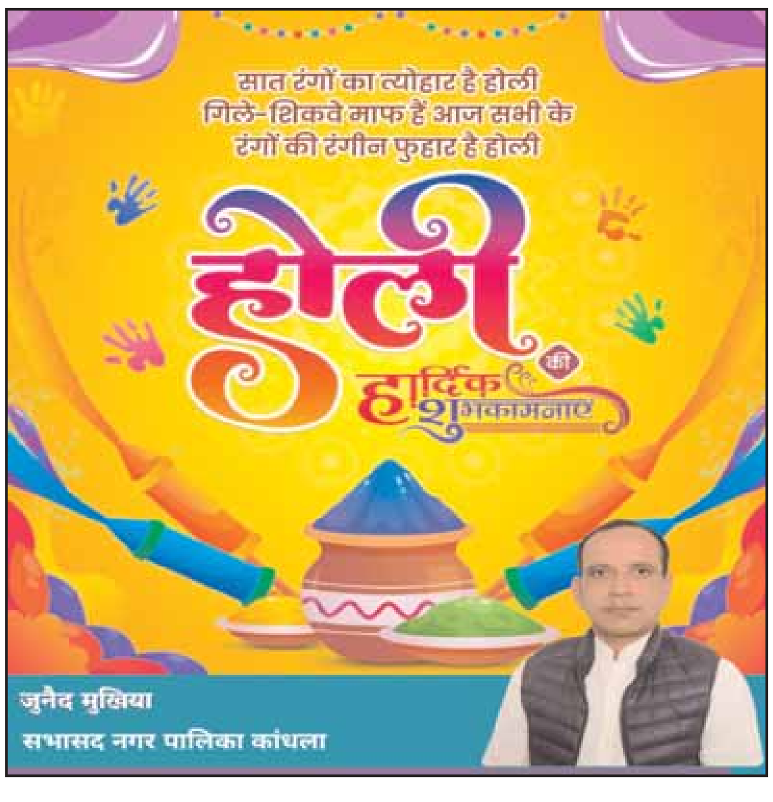

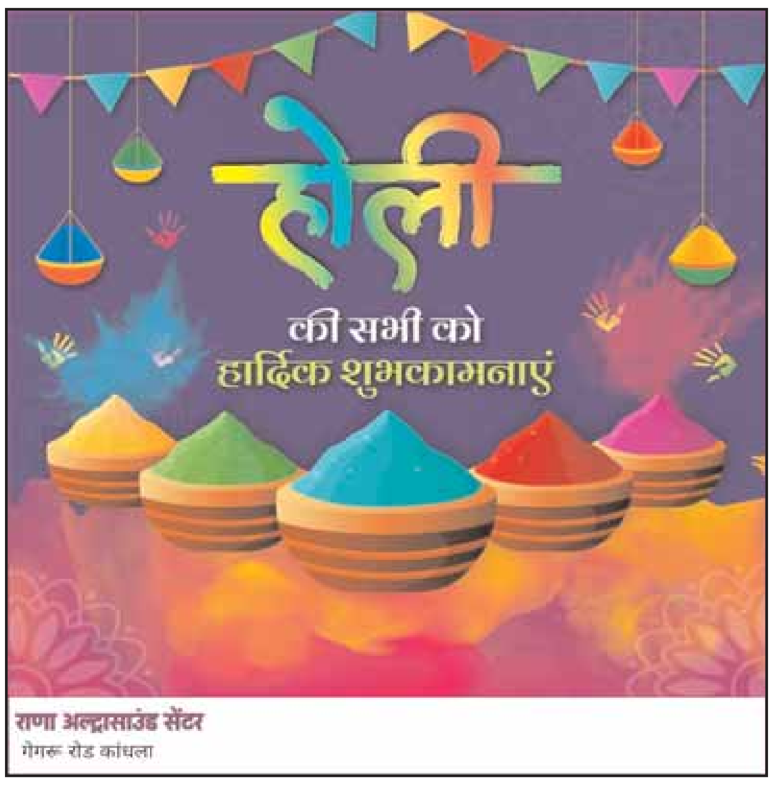

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।